



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 51] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 17, 1977 (अग्रहायण 26, 1899)
No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 17, 1977 (AGRAHAYANA 26, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 नवम्बर 1977

सं० ए० 32013/1/76-प्रशा० I—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 5-8-1977 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I के स्थायी अधिकारी श्री अनिलेन्दु गुप्ता को, राष्ट्रपति द्वारा 1-10-1977 से आगामी आदेशों तक उप सचिव के पद पर चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/3/76-प्रशा० I—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 5-8-1977 के अनुक्रम में भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) के अधिकारी श्री ए० एन० कोल्हटकर को, राष्ट्रपति द्वारा 1-10-1977 से 3 मास की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/3/76-प्रशा० I—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 10-8-1977 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I के स्थायी अधिकारी श्री आर० एस० अहलुवालिया 376GI/77

को राष्ट्रपति द्वारा 4-10-1977 से 11-11-1977 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 5 नवम्बर 1977

सं० ए० 32013/1/77-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी अधिकारियों को, राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

क्रम सं०	नाम	अवधि
1	2	3
	सर्वश्री	
1.	बीर सिंह रियासत	3-10-1977 से 2-1-1978 तक

1	2	3
2.	आर० आर० अहीर . . .	5-10-1977 से 31-12-1977 तक
3.	प्रीतम लाल . . .	12-10-1977 से 11-11-1977 तक
प्र० ना० मुखर्जी अवर सचिव		

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1977

सं० 7 आर० सी० टी० 28 (i)—केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० रठौर जिन्हें आयोग की अधिसूचना सं० 2/28/77-प्रशासन तारीख 22-8-1977 द्वारा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी नियुक्त किया गया था 15 नवम्बर, 1977 की अपराह्न में सहायक के पद पर प्रत्यावर्तित हो गये।

सं० 7 आर० सी० टी० 28 (ii)—केन्द्रीय सतर्कता आयोग एतद् द्वारा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० राठौर को आयोग में 17-11-77 से 16-1-1978 तक या अगले आदेश तक जो भी पहले हो—स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीनिवास

अवर सचिव

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयोग

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1977

सं० बी-2/70-प्रशासन-5—नागालैण्ड सतर्कता आयोग, कोहिमा में पुलिस उप-अधीक्षक (सतर्कता) के रूप में चयन हो जाने पर, श्री बी० एन० सिन्हा, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता शाखा ने दिनांक 31-10-77 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 24 नवम्बर 1977

सं० ए०-19015/1/77-प्रशासन-5—दिनांक 26-10-77 की समसूचक अधिसूचना के अधिक्रमण में, न्याय विभाग से स्थानान्तरण पर, श्री ओ० बी० सरन, अनुभाग अधिकारी ने दिनांक 12-9-77 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय, नई दिल्ली में अनुभाग अधिकारी का कार्यभार सभाल लिया है।

राजेंद्र प्रकाश गुप्त
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1977

सं० ए०-19036/9/77-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी एवं केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, बम्बई शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री जी० एम० अम्बाडकर को दिनांक 31-10-1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री जी० एम० अम्बाडकर को दिनांक 31-10-77 (पूर्वाह्न) से विमदलाल जाच आयोग में पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में पद स्थापित किया जाता है।

सं० ए०-19036/10/77-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी एवं केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, बम्बई शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री आर० एस० नरवेकर को दिनांक 31-10-77 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री आर० एस० नरवेकर को दिनांक 31-10-77 (पूर्वाह्न) से विमदलाल जाच आयोग में पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में पद-स्थापित किया जाता है।

विजय पाल पाण्डे

प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 नवम्बर 1977

शुद्धि-पत्र

सं० पी० सात० 3/77-स्थापना—इस महानिदेशालय के अधिसूचना सख्या पी० सात० 2/76-स्थापना दिनांक 24-8-77 के पैरा 2 का आंशिक संशोधन करते हुए श्री बी० डी० मरीन, महानिदेशालय, के० रि० पु० बल में अनुभाग अधिकारी के पद पर नियमित रूप से 17-12-1974 से पदोन्नत किए जाते हैं।

एस० एम० घोष,
महानिदेशक

नई दिल्ली-110001, दिनांक 29 नवम्बर 1977

सं० पी० सात० 4/76-स्थापना-छ—राष्ट्रपति, सूबेदार कश्मीरा सिंह को उप-पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर अस्थायी रूप से अगले आदेश जारी होने तक पदोन्नत करते हैं।

2 उन्होंने अपने पद का कार्यभार 22वीं बाहिनी में 3-11-1977 (पूर्वाह्न) से आई० टी० वी० पी० से प्रत्यावासन होने पर संभाल लिया है।

दिनांक 30 नवम्बर 1977

स० ओ०-II-71/74-स्था०—मेजर एम० पी० लाल ने स्थल सेना में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 11 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से सिगनल ग्रुप सेन्टर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स में सहायक कमाण्डेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ा।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 नवम्बर 1977

स० 10/13/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक श्री अजीत सिंह को उत्तर प्रदेश में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तारीख 4 अक्तूबर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक नियमित आधार पर अस्थायी तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय लखनऊ में होगा।

स० 10/13/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक श्री वी० पी० रस्तोगी, जो इस समय मेघालय, शिलांग में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत हैं, को उसी कार्यालय में 7 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक नियमित आधार पर अस्थायी तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. उनका मुख्यालय शिलांग में ही रहेगा।

स० 10/13/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक, श्री एम० पी० ग्रोवर को श्री जी० एन० पावला के तारीख 29 सितम्बर, 1977 के अपराह्न से सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति से, अन्वेषक के अपने नियमित पद पर प्रत्यावर्तित हो जाने के कारण उसी तारीख से अगले आदेशों तक पंजाब में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में नियमित आधार पर अस्थायी तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

स० 10/13/76-प्रशा०-I—सब लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक (सामाजिक अध्ययन) श्री मरिमुत्थू नगपन्न को तमिल नाडु और तामिळचेरी के जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तारीख 7 अक्तूबर, 1977 के पूर्वाह्न से

अगले आदेशों तक सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय मद्रास में होगा।

स० 13/10/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक, श्री छीतरमल को उड़ीसा में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तारीख 10 अक्तूबर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक नियमित आधार पर अस्थायी तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय कटक में होगा।

2. श्री छीतरमल ने दिनांक 30 सितम्बर, 1977 के अपराह्न से भारत के महापंजीकार के कार्यालय में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर धारित अनुसंधान अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

पी० पद्मनाभ
महापंजीकार और
पदेन संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1977

स० 10/13/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार कार्यालय में अन्वेषक तथा इस समय लक्षद्वीप जवाहरी में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना निदेशक, कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ रूप से कार्यरत श्री ए० के० विश्वाम को उसी कार्यालय में, उसी पद पर नियमित आधार एवं अस्थायी तौर पर तारीख 9 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष नियुक्ति करते हैं।

उनका मुख्यालय कवर्ता में होगा।

स० 10/13/76-प्रशा०-एक—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक, श्री वार्ड० जी० कृष्णामूर्ति को, तारीख 10 अक्तूबर, 1977 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक पश्चिमी बंगाल कलकत्ता में, जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अस्थायी तौर पर सहायक निदेशक, जनगणना कार्य, (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

उनका मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

स० 10/13/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक, श्री आर० के० सिंह, को 16 नवम्बर 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, महाराष्ट्र में, जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में नियमित आधार एवं अस्थायी तौर पर सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्ति करते हैं। उनका मुख्यालय बम्बई में होगा।

बन्नीनाथ
उप महापंजीकार और
पदेन उप सचिव

वित्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 24 नवम्बर 1977

सं० 1438/ए०—दिनांक 4-9-1976 के क्रम में सर्वश्री ज० एच० मध्यम और आर० व्यंकटरमन् को उप नियंत्रण अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में तदर्थ रूप में 30-11-77 तक उन्ही शर्तों के साथ नियुक्त करते हैं।

डी० सी० मुखर्जी,
महा प्रबंधक,
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

बाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1977

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/489/58-प्रशासन (राज०)/8243—राष्ट्रपति, श्री आर० एस० बंसल, स्थायी नियंत्रक, आयात-निर्यात (द्वितीय श्रेणी) को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र के कार्यालय नई दिल्ली में 16 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 6/606/60-प्रशासन (राज०)/8250—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री जे० सी० राय, नियंत्रक, आयात-निर्यात ने 31 अक्टूबर, 1977 के दोपहर बाद से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र, के कार्यालय नई दिल्ली में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/744/65-प्रशासन (राज०)/8258—राष्ट्रपति, इस संगठन के श्री पी० सी० एस० पिसुरलेकर, स्थायी नियंत्रक, आयात-निर्यात को, 16 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक, गोवा के कार्यालय में स्थाना-पन्न आधार पर कार्य करने के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 नवम्बर 1977

सं० 6/887/69-प्रशासन (राज०)-8295—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर श्री जी० के० गांधी स्थानापन्न नियंत्रक, आयात-निर्यात ने 31 अक्टूबर, 1977 के अपराह्न में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/415/56-प्रशासन (राज०)/8302—राष्ट्रपति, श्री के० आर० धीर, स्थायी नियंत्रक, आयात-निर्यात को, 16 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न में अगला आदेश होने तक, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र के कार्यालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न आधार पर उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 नवम्बर 1977

सं० 6/491/58-प्रशासन (राज०)/77-8332—राष्ट्रपति, श्री एम० एल० भागवत, स्थायी नियंत्रक, आयात-निर्यात (वर्ग-2) को इस कार्यालय में 16 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 6/486/58-प्रशासन (राज०)/8364—राष्ट्रपति, इस संगठन के श्री आर० एस० पवार, नियंत्रक, आयात-निर्यात को 1 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, केन्द्रीय

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय, महालेखाकार, बिहार

राजी-1, दिनांक 19 नवम्बर 1977

सं० स्था०-1-ओ० डी०-3096—महालेखाकार बिहार राजी अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री सतीश चन्द्र राउत को अपने कार्यालय में ही दिनांक 12-10-77 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

दिनांक 21 नवम्बर 1977

सं० स्था०-1-ओ० डी०-3092—महालेखाकार बिहार राजी अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्रीमती उमा गुहा को अपने कार्यालय में ही दिनांक 28-10-77 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

दिनांक 23 नवम्बर 1977

सं० स्था०-1-ओ० डी०-3130—महालेखाकार बिहार राजी अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री शैरव चन्द्र दत्ता को अपने कार्यालय में ही दिनांक 31-10-77 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

बच्चू प्रसाद सिन्हा
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)
बिहार।

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्ट्रिया सेवा

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्ट्रिया

कलकत्ता-69, दिनांक 26 नवम्बर 1977

सं० 81/77/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्तकर, श्री नीलरत्न दे, स्थानापन्न टी० एस० ओ० (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 30 सितम्बर, 1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० एन० शुक्ला,
सहायक महानिदेशक,
आर्डनेन्स फैक्ट्रिया

साइसेस क्षेत्र के कार्यालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न आधार पर उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० वे० शोषाद्रि,
मुख्य नियंत्रक,
आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

कार्यालय हथकरघा विकास आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1977

स० ए०-12011/8/77-डी० सी० एच०--राष्ट्रपति, श्री जी० डी० बवेला, उपा निदेशक (डिजाइन), बुनकर सेवा केन्द्र बम्बई, को 15 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये उसी केन्द्र में डिजाइन निदेशक (निर्यात) के पद पर महर्षि नियुक्त करते हैं।

(कु०) रेणु महर्षि,
उप-विकास आयुक्त
(हथकरघा)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1977

स० प्र० 1/1 (655)/III--राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उपा निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-II) श्री ए० के० कल्याणरामन को दिनांक 5 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक, पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड-I) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक नवम्बर 1977

स० प्र०-1/1 (753)/-II--राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए० के ग्रेड-III) श्री सर्वेश स्वरूप को दिनांक 5 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय में उपा निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप-ए० के ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 नवम्बर 1977

स० ए०-1/1 (648)-III--राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में उपा निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए० के ग्रेड II) श्री एम० सुन्दररामन को दिनांक 14 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न में तथा

आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए० ग्रेड-I में) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री सुन्दररामन ने निदेशक पूर्ति तथा निपटान, कलकत्ता, के कार्यालय में दिनांक 7 नवम्बर, 1977 के अपराह्न से उपा निदेशक का पद भार छोड़ दिया और दिनांक 14 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक पूर्ति का पदभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 29 नवम्बर 1977

स० ए०-1/2 (360)--राष्ट्रपति, श्री अरदमनसिंह जो पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में 21 अक्तूबर, 1976 के पूर्वाह्न में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए० के ग्रेड-I) के रूप में कार्य कर रहे हैं को दिनांक 14 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक के लिए इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में नियमित आधार पर निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए० के ग्रेड-I) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

स० ए०-1/2 (360)--राष्ट्रपति, श्री अमरलाल जो पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में 6-6-77 के पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए० के ग्रेड-I) के रूप में कार्य कर रहे हैं को दिनांक 8 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में नियमित आधार पर निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए० के ग्रेड-I) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 नवम्बर 1977

स० प्र०-1/1 (1105)--महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मंडल नई दिल्ली के कार्यालय अधीक्षक (अधीक्षण स्तर-II) श्री ज्ञान चन्द को दिनांक 16 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2 श्री ज्ञान चन्द की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति श्री एम० कुण्डलामा द्वारा उच्च न्यायालय दिल्ली में दायर बीबीसी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

स० ए०-1/2 (360)--राष्ट्रपति, श्री आर० एन० दास जो पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में 7-11-74 के पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए० के ग्रेड-I) के रूप में कार्य

कर रहे हैं को दिनांक 14 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक के लिए इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में नियमित आधार पर निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए० के ग्रेड-I) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश
उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1977

सं० प्र०-1/1 (1107)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर प्रगति अधिकारी श्री जयश्री राम को दिनांक 16 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री जयश्री राम की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय में दायर बीवानी याचिका नं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

सं० ए०-1/2 (360)—राष्ट्रपति, श्री एस० एन० बैनर्जी जो पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में 7 नवम्बर, 1974 के अपराह्न से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए० के ग्रेड-I) के रूप में कार्य कर रहे हैं को दिनांक 14 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक के लिए इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में नियमित आधार पर निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए० के ग्रेड-I) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन),
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो,

नागपुर, दिनांक 23 नवम्बर 1977

सं० ए०-19011/202/76-स्थापना-ए०—राष्ट्रपति श्री ए० के० श्रीवास्तव को 24 अक्टूबर के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में कनिष्ठ खनन भू-विज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एल० सी० रणधीर,
कार्यालय अध्यक्ष,
कृते नियंत्रक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1977

सं० 3/59/60-एस०-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री बी० पी० बदवी, वरिष्ठ लेखाकार, केन्द्रीय विक्रय एकक आकाशवाणी, बम्बई को, दिनांक 14-11-77 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक, आकाशवाणी इन्दौर में, प्रशासन अधिकारी के पद पर, स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० बी० सेषाद्री,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1977

सं० 10/109/77-एस० III—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री एस० जवाहक को आकाशवाणी सम्भलपुर में दिनांक 11-11-77 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 नवम्बर 1977

सं० 4 (51)/77-एस०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री के० श्रीनिवासराघवन को, आकाशवाणी तिरुचिरापल्ली में 10-10-1977 से अगले आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 नवम्बर 1977

सं० 4 (12)/77-एस०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री हसनुद्दीन सिद्दीकी को आकाशवाणी, अम्बिकापुर में 31-10-1977 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (56)/77-एस०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री अब्दुर्रहमान को, आकाशवाणी, रांची में 1-10-1977 से अगले आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर, अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 10/79/77-एस०-III—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री पी० के० जैन को आकाशवाणी सिलचर में दिनांक 14-10-77 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० 10/95/77-एस० III—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री चन्द्र डी० शर्मा को आकाशवाणी छतरपुर में दिनांक 1-11-77 (अपराह्न) से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

नन्व किशोर भारद्वाज,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 23 नवम्बर, 1977

सं० ए० 12026/1/77-निबन्धी-1—श्री० एस० पी० रामन, स्थायी कैमरामैन, समाचार अधिकारी होने के कारण फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री ए० आर० शरीफ स्थापनापत्र सहायक समाचार अधिकारी, फिल्म प्रभाग, जैपुर को दिनांक 24-10-1977 के पूर्वानुह से कैमरामैन के पद पर, फिल्म प्रभाग नयी दिल्ली में नियुक्त किया है।

एम० के० जैन
प्रशासकीय अधिकारी
कृते प्रमुख निर्माता

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर, 1977

सं० 2 (1)/77-स्था० (II)—श्री अमर सिंह को विस्तार शिक्षण संस्थान, नीलोखेड़ी, जिला करनाल (हरियाणा) में डिजाइन इंजीनियर के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के नेतनमान में दिनांक 7 अप्रैल, 1977 से आगामी आवेदन तक तदर्थ रूप में नियुक्त किया गया।

चन्द्र प्रकाश
प्रशासन निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1977

सं० 12-24/73-प्रशासन-I—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने के फलस्वरूप स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अनुभाग अधिकारी श्री एम० के० चैटर्जी, 31 अक्टूबर, 1977 के अपराह्न से सरकारी नौकरी से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

शामनाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

राष्ट्रीय वन साधनों का सर्वेक्षण

देहरादून, दिनांक 28 नवम्बर, 1977

क्रमांक 4-7/76-प्रकाशन—श्री डी० पी० मोहिन्द्रा, जो कि सैन्य लेखा महानियंत्रक के कैडर में रखा सेवा के स्थायी लेखा अधिकारी हैं, और राष्ट्रीय वन साधनों का सर्वेक्षण, देहरादून में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त थे, की सेवाएं दिनांक 31 अक्टूबर, 1977 की अपराह्न से, निवृत्ति की आयु 58 वर्ष प्रहण करने पर, सैन्य लेखा महानियंत्रक के कार्यालय आदेश भाग-II, क्रमांक 84 दिनांक 5-2-1977 के अनुसार सैन्य लेखा महानिरीक्षक के पेंशन स्थापना अनुभाग को स्थानान्तरित की जाती है।

श० पालिव
मुख्य समन्वयक

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 24 नवम्बर, 1977

सं० 4-5 (84)/77-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री गोगल सिंह, वरिष्ठ रसायनज्ञ को नागपुर में दिनांक 25 अक्टूबर, 1977 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थापनापत्र रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग III), नियुक्त किया जाता है।

सं० 4-6 (129)/77-प्र० III—विभागीय पदोन्नति समिति की संस्तुतियों के अनुसार श्री पी० कुटुम्बा राव, वरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेशालय में हैदराबाद में दिनांक 31 अक्टूबर, 1977 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थापनापत्र सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I), नियुक्त किया गया है।

वी० पी० चावला,
निदेशक, प्रशासन
कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई 400001, दिनांक 9 नवम्बर 1977

सं० डी० पी० एस०/23 (4)/77-स्थापना/33201—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय के निम्नलिखित क्रय सहायको को उनके नामों के सामने लिखी अवधि के लिए उसी निदेशालय में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के नेतनमान में तदर्थ आधार पर सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	अवधि, जिसके लिए नियुक्ति की गई है	टिप्पणी
1.	श्री के० के० कुण्णन	28-10-77 से 24-11-77 तक	श्री एम० जे० प्रधान, सहायक क्रय अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर।

(1)	(2)	(3)	(4)
2	श्री सी० एस० शिवरामू	24-10-77 से 24-11-77 तक	श्री बी० एल० ठाकुर, सहायक क्रय अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर।

बी० जी० कुलकर्णी
सहायक कार्मिक अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद 500762, दिनांक 6 नवम्बर, 1977

सं० पी० ए० आर०/0704/2962—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, श्री मोहम्मद मिन्हाज रसूल, उच्च श्रेणी लिपिक को 5-11-1977 से 4-12-1977 या आगामी आदेशों, जो भी पहले घटित हो, तक के लिए नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में तदर्थ रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

यू० बासुदेव राव
प्रशासन अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

कोटा, दिनांक नवम्बर 1977

सं० रा० प० वि० प०/भर्ती 3 (2)/77/एल०/1597—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, इस परियोजना के स्थायित्व सहायक फोरमैन और स्थानापन्न फोरमैन श्री पी० सी० ताटेकर को इसी परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर 1 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)
वास्ते, मुख्य परियोजना इंजीनियर

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

संदर्भ : भा० पा० प० ए०/स्था०/1/म-13/5823—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री वसंत कुल्लण महापावकर, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और भारी पानी परियोजनाओं (मुख्य-कार्यालय) के, स्थानापन्न सहायक लेखापाल को 24 अक्टूबर 1977 (पूर्वाह्न) से 24 नवम्बर 1977 (अपराह्न) तक के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से श्री अ० मु० वैद्या, सहायक लेखा अधिकारी जो स्थानापन्न लेखाधिकारी II

नियुक्त हुए हैं, के स्थान पर अस्थायी तौर पर सहायक लेखाधिकारी नियुक्त करते हैं।

संदर्भ : भा० पा० प० ए०/स्था०/1/ट-22/5824—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री अच्युत मुकुन्द वैद्या, स्थायी सहायक लेखापाल तथा स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, जो अब भारी पानी परियोजनाओं (मुख्य कार्यालय) में उसी ग्रेड में प्रतिनियुक्त हैं, को उसी कार्यालय में अस्थायी तदर्थ आधार पर 4 अक्टूबर 1977 (पूर्वाह्न) से 24 नवम्बर 1977 (अपराह्न) तक के लिए श्री एम० एम० कसबेकर, लेखाधिकारी II जो छुट्टी पर गये हैं, के स्थान पर स्थानापन्न लेखाधिकारी II नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु विजलीघर

टी० ए० पी० पी०-401504, दिनांक 1 नवम्बर 1977

सं० टी० ए० पी० एस०/1/18(3) 77-आर०—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु विजलीघर के मुख्य अधीक्षक, इस कार्यालय की दिनांक 13 सितम्बर, 1977 की समसंख्यक अधिसूचना को अधिकृत करके, इस परमाणु विजलीघर के एक स्थायी निजी सहायक श्री बी० के० पी० पिल्लै को र० 650-30-740-35-880-व० री०-40-960 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर, 21 जुलाई, 1977 से अगले आदेश तक के लिए सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करने हैं।

डी० बी० मारकाले
मुख्य प्रशासन-अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम-603102, दिनांक 14 नवम्बर 1977

सं० ए०-32013/4/77/आर०—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजन निदेशक, इस केन्द्र के वैज्ञानिक सहायक 'सी' श्री के० जी० सैमुअल को, उसी केन्द्र में रुपये 650-30-740-35-810-व० री०-35-880-40-1000-व० री०-40-1200 के वेतनमान में वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड बी के पद पर अस्थाई रूप से 1 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी
कृते परियोजना निदेशक, रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

सिविल इंजीनियरिंग ग्रुप

कलपक्कम-603102, दिनांक 9 नवम्बर 1977

सं० सी० ई० जी०/1(6)/77-प्रशा०—परमाणु ऊर्जा विभाग की कलपक्कम स्थित परियोजनाओं के सिविल इंजीनियरी वर्ग के मुख्य अभियन्ता (सिविल), अस्थायी पर्यवेक्षक (सिविल)

सर्वश्री आर० त्यागराजन, के० श्रीकान्तैया, एच० गणेशन तथा एन० कुमार को, 1 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए मिविल इंजीनियरी वर्ग, कल्पककम में वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर-ग्रेड एस० बी० के पदों पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० एस० वेंकटेश्वरन
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 23 नवम्बर 1977

सं० ई०(1)00938—वेधशालाओं के महानिदेशक, श्री ए० बी० मजुमदार को भारत मौसम सेवा ग्रुप-बी (केन्द्रीय सिविल सेवा, ग्रुप-बी) में 15 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक, महायक मौसम विज्ञानी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री मजुमदार को वेधशालाओं के उप महानिदेशक (जल-वायु विज्ञान) पुणे के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

सं० ई०(1)06790—वेधशालाओं के महानिदेशक श्री ए० के० डे० को भारत मौसम सेवा ग्रुप-बी (केन्द्रीय सिविल सेवा, ग्रुप-बी) में 22 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक महायक मौसम विज्ञानी के पद पर स्थाना-पन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री डे को निदेशक (उपकरण) पुणे के कार्यालय में तैनात किया गया है।

गुरुमुख राम गुप्ता
मौसम विज्ञानी
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 26 नवम्बर 1977

सं० 16/270/77-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, डा० रीता धवन को 9 नवम्बर, 1977 के अपराह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० आर० के० भटनागर
कुल सचिव
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तलिय

पटना, दिनांक 5/24 नवम्बर 1977

सं० 11(7) 1-स्था०/77/13265—श्री एस० पी० श्रीवास्तव, डिप्टी एस० पी०, सी० आर० पी० एफ० को 2—376GI/77

संचार पदाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर संचार निदेशालय के अन्तर्गत, भारत सरकार, राजस्व विभाग नई दिल्ली के आदेश संख्या 124/77 दिनांक 4-8-77 के अनुसार रु० 700-40-900-२० रो०-40-1100-50-1300/- तथा विशेष वेतन रु० 100/-प्रतिमाह के दर से वेतनमान पर नियुक्ति के अनुसरण में वे संचार पदाधिकारी, सीमा शुल्क (नि०) समाहर्तलिय, पटना के अन्तर्गत वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, संचार निदेशालय (सीमा शुल्क) नई दिल्ली के आदेश संख्या 9/77 दिनांक 9-8-77 के अनुसार दिनांक 12-8-77 के पूर्वाह्न से दिल्ली में कार्यभार ग्रहण किया और इसके उपरान्त दिनांक 16-8-77 पूर्वाह्न को पटना में कार्यभार ग्रहण किया।

ह० अपठनीय

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद, पटना

पटना, दिनांक 26 नवम्बर 77

सं० 11(7) 1-स्था०/77/13308—भारत सरकार, राजस्व विभाग, नई दिल्ली के दिनांक 29-8-77 के आदेश संख्या 136/77 तथा इस कार्यालय के स्थापना आदेश संख्या 244/77 दिनांक 7-9-77 के अनुसार केन्द्रीय उत्पाद समाहर्तलिय, पटना के श्री सी० के० कलौनी अधीक्षक श्रेणी 'अ' दिनांक 12-9-77 के पूर्वाह्न से महायक समाहर्ता (छट्टी/रिजर्व) के रूप में केन्द्रीय उत्पाद (मुख्यालय) कार्यालय, पटना में कार्यभार ग्रहण किया।

ह० अपठनीय

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद पटना

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय,

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,

नई दिल्ली-1, दिनांक 23 नवम्बर 1977

सं० 13/77—श्री एच० सी० मक्सेना ने निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) के इलाहाबाद स्थित उत्तर प्रादेशिक यूनिट में निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप 'ख' के पद से सेवा निवृत्त होने पर दिनांक 31-10-77 के दोपहर बाद से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 14/77—श्री एम० हमीदुल हसन, जो पहले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय इलाहाबाद में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक ग्रुप 'ख' के रूप में कार्य कर रहे थे, दिनांक 31-10-1977 (दोपहर बाद से) श्री एच० सी० मक्सेना के सेवा निवृत्त होने पर निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) के इलाहाबाद स्थित उत्तर प्रादेशिक यूनिट में निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप 'ख' का कार्यभार सम्भाल लिया है।

सं० 15/77—श्री धर्म पाल शर्मा ने, जो हाल में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय चंडीगढ़ में कें० उ० शु० ग्रुप 'बी' के अधीक्षक के रूप में कार्य कर रहे थे, दिनांक 11-11-77

(पूर्वाह्न) से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय (सी० शु० तथा के० उ० शु०) नई दिल्ली के मुख्यालय में निरीक्षण अधिकारी (सी० शु० तथा के० उ० शु०) ग्रुप 'बी' का कार्य-भार संभाल लिया है।

सु० बेकटरामन्
निरीक्षण-निदेशक

है कि रेल-मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) ने नौतनवा से सोनाली-तक (10 कि०मी०), सीटर लाइन के निर्माण के लिए टोड/प्रारंभिक इंजीनियरिंग एवं यातायात-सर्वेक्षण की मंजूरी दे दी है। यह सर्वेक्षण पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा किया जा रहा है।

बी० मोहन्ती
सचिव, रेलवे बोर्ड

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 23 नवम्बर 1977

(व्यापारिक नौवहन)

स० 14-टी० आर० (5)/63—समुद्री अभियांत्रिक प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में इंजीनियरी के प्राध्यापक श्री ओ० पी० मेहता ने उनके त्यागपत्र की स्वीकृति के परिणाम-स्वरूप अपने पद का पदभार तारीख 11-7-1977 (पूर्वाह्न) से छोड़ दिया है।

के० एस० सिधू
नौवहन उप महानिदेशक

सवारी डिब्बा कारखाना

महाप्रबन्धक का कार्यालय

कार्मिक शाखा/सेल

मद्रास-38, दिनांक 25 नवम्बर 1977

स० का० शा०/रा०/सा०/9/विधि—श्री के० रामचन्द्रन, स्थानापन्न वरिष्ठ यांत्रिक इंजीनियर (वरिष्ठ वेतनमान) जो कलकत्ता ट्रामवेज क० लि० में प्रतिनियुक्त हुए थे, वहां से वापस आकर 4-10-77 के पूर्वाह्न को सवारी डिब्बा कारखाने में ड्यूटी पर हाजिर हुए।

श्री सी० एस० बेकटरामन्, स्थानापन्न जिला भंडार नियंत्रक/डिपो/फर (वरिष्ठ वेतनमान) को 11-10-1977 के पूर्वाह्न को श्रेणी II सेवा में पदावतत किया गया।

श्री सैयद नियमतुल्ला स्थानापन्न सहायक उत्प्रेषण इंजीनियर/प्रगति/फर (श्रेणी II) को 27-10-77 से कर्म-शाला प्रबन्धक/फर के रूप में वरिष्ठ वेतनमान में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

सु० बेकटरामन्
उप मुख्य कार्मिक अधिकारी
कृते महाप्रबन्धक

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर 1977

स० 76 डब्ल्यू० 4/सी० एन० एल०/एन० ई०/25—एतद्वारा सर्व-साधारण की सूचना के लिए ज्ञापित किया जाता

निर्माण, आवास, पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

(पूर्ति विभाग)

राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर

कलकत्ता, दिनांक 18 नवम्बर, 1977

स० जी०-65/बी(कान)—अधोहस्ताक्षरित इसी द्वारा राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता के वैज्ञानिक सहायको (रसायन) सर्वोपरी सुब्रह्मचर्य और टी० के० दत्त को यथाक्रम 24-10-77 (पूर्वाह्न) और 31-10-77 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में तदर्थ वैज्ञानिक अधिकारियों (रसायन) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 नवम्बर 1977

स० जी०-65/बी(कान)—अधोहस्ताक्षरित इसी द्वारा श्री फणी भूषण चक्रवर्ती को 25-10-77 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश तक राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी (भौतिकी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

बी० सी० विश्वास
युग्म निदेशक
राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधायी बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि सौत आर्काट वीरना-रायनी प्रोड्यूस एण्ड कामर्स लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 10 मार्च 1976

स० 2541/लिख०/एस० 247(5)/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि सौत आर्काट वीरना-रायनी प्रोड्यूस एण्ड कामर्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि वण्मुगविलास थियेटर्स लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 11 मार्च 1976

स० 2681/लिख०/एस० 560(5)/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि वण्मुगविलास थियेटर्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और त्यागी इंडस्ट्रीज लिमिटेड
(इनलिक्विडेशन) के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 24 जुलाई 1976

सं० 3604/लिकु/एस० 560(5)/76—कम्पनी अधि-
नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण
में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि त्यागी इंडस्ट्रीज लिमिटेड
(इनलिक्विडेशन) लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट
दिया गया है और कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और
“रूबी रबबर वर्क्स (मद्रास) लिमिटेड” के विषय में।
(कम्पनी अधिनियम, 56 की धारा 445)

मद्रास-6, दिनांक 22 नवम्बर 1977

सं० 3707/को० लि०/77—एतद्वारा यह सूचित किया
जाता है कि न्यायालय कार्यवाही सं० 60/1974 में उच्च

न्यायालय मद्रास, की फाइल पर दिये गये दिनांक फरवरी
14, 1975 के आदेश द्वारा कम्पनी रूबी रबबर वर्क्स (मद्रास)
लिमिटेड को समाप्त कर दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वीनस चिट फण्ड प्राइवेट
लिमिटेड (इनलिक्विडेशन) के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 29 नवम्बर 1977

सं० 3567/लिक्वि/560/75—कम्पनी अधिनियम, 1956
की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा
सूचना दी जाती है कि वीनस चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड
(इनलिक्विडेशन) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया
है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

सी० अच्युतन
कम्पनियों का सहायक रजिस्टार

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-4, बंबई

बम्बई, दिनांक 26 नवम्बर 1977

निर्देश सं० अ० ई० IV /802-1/मई 77-अतः मुझे,
एम० सी० उपाध्याय
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 'बी' सर्वे० नं० 146 (हिस्सा)
गाव नाहुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि० कारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 27 अप्रैल, 1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. जय शास्त्री नगर को आप० हाऊ० सो० लि०
(अन्तरक)
2. न्यू० शास्त्री नगर को० आप० हाऊ० सो० लि० ।
(अन्तरिती)

3. न्यू शास्त्री नगर को० आप० हाऊ० सो० लि० के सदस्यों की
सूची.—

क्र०सं०	सदस्यों के नाम
---------	----------------

1. श्री एन० ओ० के० पिल्लाय
2. श्री डी० एच० ददलानरी
3. श्री के० विजय
4. श्री के० वी० केणवनन्ती
5. श्री जेस्तीन जेकब
6. श्री प्रमोद एम० बासूर
7. श्रीमती वी० एल० रोहिरा
8. श्रीमती सावित्री जयुराजन
9. श्री सी० पी० कलानो
10. श्री ई० आरविद कशन
11. श्री एम० टी० पजाबी
12. श्री जी० आर० पिल्लाय
13. श्री एम० पी० थामस
14. श्री एम० डी० कपूर
15. श्री डी० आर० घुसिया
16. श्री किथुन्नी कृपनन
17. श्री ए० के० मेहरा
18. श्रीमती डी० एल० नानू
19. श्री जे० एन० पद्मानामन
20. श्री पुरुषोत्तम हम्मावेत्तू
21. श्री एस० वी० जगेसिया
22. श्री एम० आर० के० नैटियाल
23. श्री आर० आर० दारने
24. श्री अर्ची० वी० देवदास
25. श्री एम० एम० सानधू
26. श्री वाई० एम० मेट्टी
27. श्री टी० एम० एन० नाथर
28. श्रीमती ओमना के० नंबियार
29. श्री के० एस० नागी
30. श्रीमती मोहनी के० गुरनानी
31. श्री के० वी० सुधी
32. श्रीमती जी० ए० उपाध्याय
33. श्री के० बालकृष्णन्
34. श्री एन० आर० शर्मा
35. श्री पी० बी० सनेना
36. श्री पी० जी० एन० पिल्लाय
37. श्री ए० टी० मधू
38. श्री आर० बजाज
39. श्री जे० एम० पुथराम

क्र०स०	सदस्यों के नाम	क्र०स०	सदस्यों के नाम
40	श्री के० उषी माधवन	87	श्री एस० आर० पंजाबी
41	श्री जगमोहन बेदून	88	श्री डी० एन० नानक
42	श्रीमती एम० मिश्ररजी	89	श्री अजीत सिंह खेरमिह
43	श्री एस० गांधी	90	श्री चैरीयम अश्राहिम
44	श्रीमती रामदेव सचदेव	91	श्री एम० एम० पृथ्वीराम
45	श्री एस० जी० देशपांडे	92	श्री एन० कुमारन्
46	श्री एम० के० शेटी	93	श्री ओम्मेन मेथिव
47	श्रीमती रत्ना	94	श्रीमती के० मालती शकरन्
48	श्री एन० एन० कोठारी	95	श्रीमती सुरेश कृष्णकांत ए०
49	श्री गोविन्दराम एल० राजुम्थ	96	श्री एच० बी० नागावकर
50	श्रीमती जे० पी० शिव	97	श्री एम० बी० बदलानी
51	श्री विल्लियम मोनटेरिओ	98	श्री जी० एम० गोहिल
52	श्री पमियानी मेहता बी	99	श्री एच० एम० गोहिल
53	श्री के० जी० दरवानी	100	श्री बी० बी० शिंदे
54	श्री शशि कांत के० अली	101	श्री जी० के० थोलकन
55	श्री ओ० एम० रत्नाकरण	102	श्रीमती ए० के० कृष्णन्
56	श्रीमती कन्नादेवी कपूर	103	श्री एम० आर० साट्य
57	श्री जसपाल सिंह एच० एम०	104	श्री बी० के० नाथानी
58	श्रीमती जी० एम० दुबे	105	श्रीमती लता एम० राजानी
59	श्रीमती एन० आर० गोपालन	106	श्रीमती पुष्पा बचानी
60	श्री जी० एम० कुलकर्णी	107	श्री महेश अम्बेगावकर
61	श्री के० के० शकरन्	108	श्रीमती बी० के० बजाज
62	श्रीमती डी० के० सन्ध	109	श्री कर्तार सिंह
63	श्री पुष्पा डी० जोशी	110	श्री जी० एम० जेकब
64	श्री एस० आर० कृष्णन्	111	श्री ओ० एम० नदा
65	श्री आर० जी० गुप्ते	112	श्री पी० गोपालकृष्णनन्
66	श्री सी० एल० गनके	113	श्रीमती आर० आर० भाटिया
67	श्रीमती मरोजनी यम्बापम	114	कुमारी आई० ओ० कोटवानी
68	श्री विनोद कुमार बोहरा	115	श्रीमती गैला जे० राव
69	श्री आर० के० मेथ	116	श्री के० के० एम० कुरुप
70	श्री आर० आर० शेख	117	श्रीमती विरुदेवी शर्मा
71	श्री टोपनदास ठाकुर	118	श्री उयोति पी० हसबानी
72	श्रीमती पद्मा ए० हेमराजानी	119	श्रीमती मायादेवी शर्मा
73	श्री अन्थोनी दुराय	120	श्रीमती सुगनीबाई आर० पंजाबी
74	श्री तलनेन्दर कौर एम०	121	श्री कमल कृष्णन् कपूर
75	श्री नाराजन सिंह जे०	122	श्रीमती एन० जोहन
76	श्री जे० एम० जेथवानी	123	कुमारी डी० एल० तेजवानी
77	श्रीमती बी० सेखरानी	124	श्री सचदेव
78	श्रीमती मई जे० झलकी	125	श्रीमती ललिता डी० धार
79	श्री अर्जन एम० मन्तानी	126	श्री जे० एम० परियानी
80	श्री विनोद अज्ञानी	127	श्री आर० आर० विलियम्स
81	श्रीमती बलमाला नायर	128	श्रीमती एच० टी० अहजा
82	श्री के० के० गोरग	129	श्री जी० जी० डिमूजा
83	श्री पी० डी० नायडू	130	श्री बी० बचानी
84	श्री बी० के० उन्नी नायर	131	श्रीमती अम्मीनी जोसेफ
85	श्रीमती मुत्तादेवी जैन	132	श्रीमती ई० मनिक्कम
86	श्रीमती कमला एच० पंजाबी	133	कु० किरन एस० जैन

क्र०स० सदस्यों के नाम

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हू।

134. कु० आशा एम० जैन
135. श्री जी० एन० रामन जैन
136. श्री एम० सिंह मन्चन्दा
137. श्री ज्ञान चन्द नगवानी
138. श्री ए० जे० बेरझरे
139. श्रीमती एम० के० दवालिवाल
140. श्री जी० बी० बेदी
141. श्री मुकेश के० रानेय
142. श्रीमती पद्मा ठाकुर
143. श्रीमती शापिदा मोहम्मद
144. श्रीमती डी० बी० नागपाल
145. श्रीमती के० एम० पंजाबी
146. श्री डी० के० दंदारी
147. श्रीमती एस० मिश्रा
148. श्री नटराजन
149. श्री एम० के० शर्मा
150. श्री आर० के० जैतलेय
151. श्री जी० बदयल
152. श्री अर्जन बी० सन्तानी
153. श्री मती बिमला
154. कुमारी पुष्पा एम० नागपाल
155. श्री जे० एम० काले
156. श्रीमती पी० सुरेन्द्र सिंह
157. श्री डी० जी० शेखार
158. श्रीमती गोमतीबाई अग्रवाल
159. श्री ए० बी० नयनित्ती
160. श्री के० मधुवती
161. श्रीमती सावन अरुणा के०
162. श्री के० बलान
163. श्रीमती भाट महादेवी जी०
164. श्री रोजिशम
165. श्री रोजिराम
166. श्री एम० जे० अहूजा
167. श्री अहूजा
168. श्री मेहरा
169. श्रीमती बी० कगाट
170. श्रीमती जोशी
171. श्री के० एन० चौधरी
172. श्रीमती एम० भडारे
173. श्री आर० डी० भडारे

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसर्ची

खेती की खाली जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो गांव नाहुर, मुलुड में मौजूद पड़ा हुआ, प्लॉट न० "बी" माप में 12, 990 वर्ग गज या 10861.27 वर्गमीटर, सर्वे न० 146 अश का एक हिस्सा, बान्धा रजिस्ट्री उप जिला, बंबई उप नगर जिले में है और इस प्रकार सीमाबद्ध है कि:—

पूर्व की ओर इन्ही विधेताओं की सम्पत्ति,
पश्चिम की ओर सरकारी जमीन,
दक्षिण की ओर ई० रतनशा प्रा० लि० की जमीन, और
उत्तर की ओर नगर निगम की सड़क है।

एम० सी० उपाध्याय

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-4, बम्बई।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

तारीख . 26 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निदेश सं० एएल नं० 62 बीटीआई 7278—यत मुझे
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो अबोहर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा

1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति महेन्द्र कौर पुत्री त्रिलोक सिंह पुत्र श्री आसा सिंह, फाजिल्का रोड, अबोहर।

(अन्तरक)

2. सर्व श्री प्यारा सिंह, कुन्दन सिंह, दारा सिंह पुत्रगण लाभ सिंह पुत्र मुख्वा सिंह वामी मुख्वा बस्ती, अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्यान :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अबोहर गांव में 54 कनाल 11 मरले जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 2158 तारीख 2-3-77 सब-रजिस्ट्रार अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिण्डा

तारीख . 14-11-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निदेश न० ए० पी० न० 61/ बी० टी० आई० / 77-78 —
यत, मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गोराया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिलौर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरेन्द्र मिह, जमविन्द्र मिह सुवान मेहर सिंह पुत्र
श्री चन्दा सिंह वासी गोराया ।

(अन्तरक)

2. श्री जोगा सिंह पुत्र अजीत मिह पुत्र राम कृष्ण वासी
गोराया, तहसील फिलौर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है । (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

1 मरला 4 सरसाई जायदाद जो कि गोराया में है जैसा कि
रजिस्ट्री न० 5054 मार्च, 1977 सब-रजिस्ट्रार फिलौर में
लिखा है ।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज, भटिंडा

तारीख : 14-11-77,
मोहर .

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निदेश सं० ए० पी० 59/ बी० टी० / 77-78 :—यतः, मुझे पी० एन० मलिक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो गोरया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिकाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री जसविन्द्र सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह पुत्र चन्दा सिंह वासी गोरया।

(अन्तरक)

(2) श्री जोगा सिंह पुत्र अजीत सिंह पुत्र राम कृष्ण वासी गोरया।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुकी रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 मरला जमीन पर एक दुकान जैसा कि रजिस्ट्री नं० 5071 तारीख 14/3/77 सब रजिस्ट्रार फिलौर में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भटिंडा

धनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्ति, अर्थात्—

—3 376GI/77

तारीख : 14/11/77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निर्देश न० ए० पी० 60/ बी० टी० / 77-78:—यत, मुझे पी० एन० मलिक.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है। तथा जो गौरव्या में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

(1) श्री जमविन्द्र सिंह पुत्र मेहर सिंह पुत्र चन्दा सिंह वासी गौराया।

(अन्तरक)

(2) श्री जोगा सिंह पुत्र श्री अजीत सिंह पुत्र राम कृष्ण वासी गौराया।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मरला 4 सरमाई जयदाद गौराया में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्री न० 5053 मार्च, 1977 सब रजिस्ट्रार फिलौर में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज भटिंडा

तारीख : 14/11/77

मोहर .

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भटिंडा कार्यालय

भटिंडा, दिनांक 14 नवम्बर, 1977

निदेश न० ए० पी० 63/ बी० टी० आई० / 77-78:—

यतः, मुझे पी० एन० मलिक।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो डंगर खेरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बीवान चन्द पुत्र अमी चन्द वासी नंगल केश तहसील फाजिल्का।

(अन्तरक)

(2) श्री वरियाम राम पुत्र पछाना राम पुत्र बहादुर राम वासी डंगर खेड़ा तहसील फाजिल्का।

(अन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुकी रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

56 कनाल 8 मरले जमीन डंगर खेड़ा गांव में है। जैसा कि रजिस्ट्री नं० 3616 तारीख 30/3 77 में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज भटिंडा

तारीख : 14/11/77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1,

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1287/77-78/
4342/—अतः मुझे, ए० एल० सूद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० ए०-1/7 है और जो कृष्णा नगर, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
12 अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वांछित
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्ता:—

1. श्री सीता राम गुप्ता सुपुत्र श्री रघुनाथ दास गुप्ता, निवासी
ए० 1/7, कृष्णा नगर, दिल्ली-1 ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम नारायण गुप्ता सुपुत्र श्री सीता राम गुप्ता,
निवासी ए०-1/7, कृष्णा नगर, दिल्ली-1 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया
गया है ।

अनुसूची

एक ढाई मजिला मकान जोकि 307 1/5 वर्ग गज क्षेत्रफल
के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 7, ब्लॉक नं० ए०-1 है,
कृष्णा नगर, दिल्ली में निम्नलिखित प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० ए०-1/7, बी० का कुछ बना हिस्सा
पश्चिम : प्लॉट नं० ए० 1/6 बना हुआ
उत्तर : रोड
दक्षिण : रोड

ए० एल० सूद
सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 30 नवम्बर, 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1288/77-78/
4342—अतः मुझे, ए० एल० सूद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० 7255 है तथा जो रोशनआरा एक्सटेंशन स्कीम
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 7 अप्रैल, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० जी० एम० सी० हिमको इन्डस्ट्रीस लि०, रजिस्टर्ड
ऑफिस मै० टीन प्रिन्टींग मिलिंग नं० 7259, रोशनआरा एक्स-
टेंशन स्कीम, दिल्ली-1, इनके डायरेक्टर श्री० दिनेश श्रियोग के
द्वारा, निवासी डब्लू-37, ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली-1।

(अन्तरक)

2. श्री सत पाल महेंद्र, यशपाल महेंद्र, अजीन्द्र बनाव
अजीन्द्र पाल महेंद्र, सभी सुपुत्र श्री जग बन्नाया महेंद्र, निवासी
सी-26, सुदर्शन पार्क, नई दिल्ली-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आयवाद जिसका म्युनिसिपल नं० 7255 है तथा क्षेत्रफल
562 वर्ग गज है, रोशनआरा एक्सटेंशन स्कीम, दिल्ली में निम्न
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मन्दिर
पश्चिम : 40' चौड़ी सड़क
उत्तर : जी० टी० रोड
दक्षिण : शक्ति मन्दिर

ए० एल० सूद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली 1

तारीख : 30 नवम्बर, 1977
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1,

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/111/1321/77-78/

4343—अतः मुझे, ए० एल० सूद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 2/76 है तथा जो तेहार नं० 1 मुभाप नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 अप्रैल 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों यर्थात्:—

1. श्री राम लाल माहनी, सुपुत्र श्री संत राम माहनी, निवासी बी०-23; डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री रजिन्द्र कुमार मलहोत्रा, सुपुत्र श्री मस्तान चन्द मलहोत्रा, निवासी नं० 11, महावीर नगर नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सरकारी बना हुआ मकान जिसका नं० 2/76, तेहार नं० 1 है, मुभाप नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : लेन

पश्चिम : साक्षा बरादाह

उत्तर : सरकारी बनी जायदाद

दक्षिण : सरकारी बनी जायदाद ।

ए० एल० सूद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 30 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III दिल्ली-1

14/14, क, आसफगली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ III /एस० आर०-III/आई/654(II)/77-78/4343—अतः मुझे, ए० एल० सूद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6-बी०/10 है तथा जो नार्थन एक्स्टेंशन एरिया, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-5-1977.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्याक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती दमयन्ती रानी चड्ढा, पत्नी श्री० महाराज कृष्णा चड्ढा, निवासी 6-बी०/10, नार्थन एक्स्टेंशन एरिया, नई दिल्ली-1 (अन्तरक)

2 श्री/ गेखर चांद जैन, सुपुत्र श्री कपूर चन्द जैन

(2) श्रीमती शकुन्तला देवी जैन, पत्नी श्री गेखर चन्द जैन

(3) श्री अनिल कुमार जैन, सुपुत्र श्री गेखर चन्द जैन

(4) श्री अमण कुमार जैन, सुपुत्र श्री गेखर चन्द जैन, निवासी

4423, गली अहिरण, पहाड़ी धीरज, दिल्ली-110006.

(अन्तरिती)

3 श्री/ आर० एल० अहुजा तथा बी० बी० बानिया

(वह व्यक्ति जिसके अभिधोग

में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान जोकि 737.44 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 10-बी० ब्लॉक नं० 6 है, नार्थन एक्स्टेंशन एरिया, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड
पश्चिम : बंगला नं० 6 बी०/9
उत्तर : रोड
दक्षिण : रोड

ए० एल० सूद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख : 26 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्री धर्म सिंह पुत्र हरनाम सिंह निवासी 2/1 गुरु रोड़ देहरादून।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री सरदार तेजा सिंह पुत्र सरदार लाभ सिंह जि०
मजरा, मैनेजर पंजाब सिन्ध बैंक मजरा, तहसील
एव जिला देहरादून

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 नवम्बर 1977

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

निदेश नं० 503 ए०/ अर्जन/ देहरादून/ 7778 5291:—

अतः, मुझे, आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 2/1 गुरु रोड़ है तथा जो देहरादून में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-
7-1977 को।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 2/1 गुरु रोड़ देहरादून का भाग
45,000 के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेंज), कानपुर

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 28-11-77
मोहर :

प्रकृष घाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 नवम्बर, 1977

निदेश नं० 5629/अर्जन/मु० नगर/7778/5295--

अतः मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 53 द्वारिकापुरी है तथा जो म० नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मु० नगर, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-5-77।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधिरथ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

4-376GI/77

(1) श्री तेजराज सिंह गोयल पुत्र अनूप सिंह एव शानानु गोयल पुत्र तेज सिंह गोयल निवासी के० ए० च० 97 न्यू कश्मिनगर, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री राज कुमार पुत्र गोपी चन् एव राजीव कुमार पुत्र प्रेम कुमार निवासी 183, मिथिल लाइन्स, भोपा रोड मुजफ्फर नगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों शा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 53 द्वारिकापुरी जिला मुजफ्फर नगर का आधा भाग 40750 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-11-77

मोहर।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 नवम्बर, 1977

निर्देश न० 6869/ अर्जन/ मु० नगर/7778/ 5293 —
अन, मुझे, आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० है तथा जो मबाना में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय मबाना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
28-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः प्रश्न, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(1) श्री यतेन्द्र राव पुत्र रणधीर सिंह, ग्राम राजपुर कला
जान गढ़ु वर्तमान पता नहीं मन्डी मुजफ्फरनगर।
(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र सिंह पुत्र नन सिंह एवं राम पाल सिंह पुत्र
राम सिंह एवं श्रीकार सिंह पुत्र नैन सिंह निवासी
ग्राम बटाबली पोस्ट बहगुणा जिला मेरठ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कुपि भूमि 6 बीघा 11 बिस्वा और 15 बिस्वांसी
स्थित ग्राम बटौली तहसील मबाना, हस्तिनापुर जिला मेरठ
40,000) रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-11-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 नवम्बर, 1977

निदेश न० 7049/ अर्जन/ देहरादून/ 7778/ 5296 —
अतः, मुझे, आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3, इन्दर रोड है तथा जो देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

(1) श्री विजय के० बन्सल 3, इंदर रोड, देहरादून ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप कुमार शारदा एव सदीप कुमार शारदा द्वारा श्रीमती स्नेहलता शारदा 3, इन्दर रोड देहरादून (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अवल संपत्ति मकान नं० 3, इन्दर रोड, देहरादून का भाग 18,000) रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी ।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-11-77 ।
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 नवम्बर 1977

निवेश नं० 6729/अर्जन/सहारनपुर/7778/ 5289 —
अतः, मुझे, आर० पी० भार्गव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी ने, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० तथा जो हरिद्वार में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-4-77।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती राजकुमारी विधवा आनन्द स्वामी, स्वतंत्र
कुटीर, ज्वाला पुर रोड़ पोस्ट आफिस, कनखला,
सहारनपुर। (अन्तरक)

2. श्री सरदार महेन्द्र सिंह पुत्र सरदार प्यारे सिंह निवासी
निर्मला छावनी हरिद्वार, सहारनपुर (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट 15,000 वर्ग फुट स्थित कनखला
हरिद्वार रोड़, हरिद्वार जिला, सहारनपुर 24,000/- के विक्रय
मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख . 28-11-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 नवम्बर 1977

निवेश नं० 440 ए०/ अर्जन/ मेरठ/ 7778/ 5294.—

अतः, मुझे, आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० 49 ए० साकेत है तथा जो मेरठ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-4-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कैलाश नाथ मिन्हा पुत्र स्वर्गीय श्री गोपी नाथ मिन्हा निवासी 50 साकेत मेरठ

(अन्तरक)

2. श्रीमती सन्ध्या जैन पत्नी मोहिन कुमार जैन निवासी 49 ए०, साकेत मेरठ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 49 ए साकेत मेरठ का 1/2 भाग 60,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-11-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 नवम्बर, 77

निदेश नं० 561 ए०/अर्जन/गा० बाब/77-78/5290 —
अतः मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 53 द्वारिकापुरी है तथा जो मु० नगर
में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मु० नगर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
18-5-1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में रुचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किन्ना जाना चाहिए वह, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तेजराज सिंह गोयल पुत्र अनूप सिंह एवं हिमालू
गोयल पुत्र तेजराज सिंह गोयल निवासी के० एच०
97 न्यू कवि नगर गांधीबाद

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र कुमार एवं धर्मपाल पुत्र गण्डोम कुमार
निवासी 183 सिविल लाइन्स मोपा रोड मु० नगर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूकान नं० 53 द्वारिकापुरी जिला मुजफ्फर-
नगर का 1/2 भाग 40750/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-11-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 नवम्बर 1977

निदेश नं० 504 ए०/ अर्जन/ देहरादून/ 7778/5235 —

अतः मुझे आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1084 है तथा जो देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-3-1977।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अर्थवस्तुओं को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धर्म सिंह पुत्र हरनाम सिंह निवासी 2/1 गुरु रोड, देहरादून।

(अन्तरक)

(2) श्री त्रिलोक चन्द गर्ग पुत्र मिठन लाल गर्ग निवासी 2/1 गुरु रोड देहरादून।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति मकान नं० 2/1 गुरु रोड देहरादून 45,650/- के निम्न मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
[सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर]

तारीख : 28-11-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निवेश न० 715 ए० / अर्जुन / मेरठ / 7778/5302 —

अतः मुझे आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो मेरठ में स्थित है

(और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-
5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री अजीत प्रसाद जैन पुत्र जे० पी० जैन निवासी
किशन फ्लावर मिल्स रेलवे रोड मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री अजय कुमार जैन पुत्र सुकुमार चन्द जैन निवासी
किशन फ्लावर मिल्स रेलवे रोड मेरठ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट न० 124, 600 वर्ग गज स्थित किशन
फ्लावर मिल्स कम्पाउण्ड रेलवे रोड मेरठ 22,200/- के विक्रय
मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख : 30-11-1977

मोहर।

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निदेश नं० 714 ए०/ अर्जुन/ मेरठ / 7778/ 5302—

अतः, मुझे आर० पी० भार्गव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
र० से अधिक है

और जिसकी स० है तथा जो मेरठ में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-5-
77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

5—376GI/77

(1) श्रीमती गुनमाला जैन पत्नी अजीत प्रसाद जैन निवासी
किशन फलावर मिल्स रेलवे रोड मेरठ
(अन्तरक)

(2) श्री अजय कुमार जैन पुत्र सुकुमार चन्द जैन निवासी
निवासी किशन फलावर मिल्स रेलवे रोड मेरठ
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

अबल सम्पत्ति प्लॉट न० 124, 565 वर्गगज स्थित किशन
फलावर मिल्स कम्पाउण्ड रेलवे रोड मेरठ 20905 रु. के विक्रय
मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख 30-11-77

मोहर

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 नवम्बर 77

निवेश नं० 716 ए०/ अर्जुन / मेरठ/ 7778 /5301 —

मतः मुझे आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री सजय कुमार जैन पुत्र अजीत प्रसाद जैन निवासी किशन पलावर मिल्स रेलवे रोड मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री अजय कुमार जैन पुत्र सुकुमार चन्द जन निवासी किशन पलावर मिल्स रेलवे रोड मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अबल सम्पत्ति प्लॉट नं० 124, 600 वर्गगज स्थित किशन पलावर मिल्स कम्पाउण्ड रेलवे रोड मेरठ 22200/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 30-11-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती के० बासवीब, पालकोल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती एम० बेंकट विजयलक्ष्मी पालकोल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 28 नवम्बर 1977

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

सं० आर० ए० सी० नं० 518 —यत मुझे बि० वि०
सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 122 है, जो काली में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, पेनुगोड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-4-
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

पेनुगोड रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अत 30-4-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 544/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख - 28-11-77
मोहर।

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बी० कोंडरामय्या, बरापट्टनम ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० बी० सत्यनारायणमूर्ति मन्नाम

(अन्तरिती)

प्राथमिक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 28 नवम्बर 1977

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 517—यतः, मुझे बी० बी० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 226/1, 226/2, 224/6, और 227/1/ए है, जो बरापट्टनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैकलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-4-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कर रहा हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनम्न किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कैकलूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अत 15-4-77 में पजीकृत दस्तावेज नं० 1554/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

बी० बी० सुब्बाराव
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 28-11-77
मोहर :

प्रकृष्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 28 नवम्बर 1977

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 515 :—यतः, मुझे
बी० बी० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसको सं० 31-3-2 है, जो मारुति नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-4-1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में व.म के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती पी० वेकट रम्मा, विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्री के० त्रिपुराब, विजयवाड़ा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, गद्योद्घोषाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पंक्षिक अत 15-4-77 में पजीकृत दस्तावेज न० 641/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बी० बी० सुब्बाराव
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 28-11-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 28 नवम्बर 1977

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 514 :-यतः मुझे
वि० वि० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 2-122 है, जो पिटापुरम में स्थित है (और
इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स एम० चिन वीरबद्राव एण्ड सन्स (1) एम०
चिन० वीरबद्राव (2) एम० सोमराजु (3) एम०
वीराजु (4) एम० वीरबद्र सतीष कुमार, पेद्रापुरम
(अन्तरक)

2. मैसर्स चेक्का वेंकट सुब्रह्मनयम एण्ड अदर्स (1) सी०
एच० बुच्चीराजु, (2) सी० एच० वेंकटसुब्रह्मनयम
(3) सी० एच० वीर वेंकटसुब्रह्मनयम सोबनाद्रीराव
(4) सी० एच० चक्रधरराव (5) सी० एच०
रामकृष्णप्रसाद पिटापुरम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
गुचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-4-77
में पजीकृत वस्तावेज नं० 1098/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति
मशीनरी और कर्तबगर के साथ ।

वी० वी० सुब्बाराव
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेज, काकिनाडा

तारीख : 28-11-1977
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 28 नवम्बर 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 516 —यतः, मुझे बि० बि० सुब्बाराव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 222/1 सी०, 222/2, 222/3, 225/3 और 227/1ए० है, जो बरहापटनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैकलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-4-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बि० कोदंडरामप्पा, बराहपटनम ।

(अन्तरक)

(2) श्री सि० बि० बि० सत्यनारायण मूर्ति, मद्रास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कैकलूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अत 15-4-77 में पजीकृत दस्तावेज नं० 1546/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

बि० बि० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 28-11-1977

मोहर :

परूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 28 नवम्बर 1977

सं० आर० ए० सी० न० 519—अतः, मुझे बि० वि० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 106, 108 और 122 है, जो रामनरपालम वडली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेनुगोडा में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1977।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित सूचनाओं, अर्थात्:—

(1) श्रीमती के० वासुबाब, पासकोला

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० एच० रत्नमानिकाम, विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेनुगोडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अतः 30-4-77 में पकूजीत दस्तावेज न० 543/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज काकिनाडा।

तारीख : 28-11-1977
मोहर .

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री मिठा लाल राका निवासी 4/7, राज मोहल्ला, इन्दौर ।

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ग (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्रीमती सरला देवी जैन द्वारा मैसर्स पन्ना लाल बेनी
राम जी चौधरी, 211, एम० जी० रोड, इन्दौर
(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 नवम्बर, 77

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी० / भोपाल 77-78/ 898:—

अतः, मुझे रा० कु० बाली,

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा,

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपाय अन्तःसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-4-77 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

प्लॉट नं० 13, स्थित जवाय बिल्डर्स कालोनी, इन्दौर ।

रा० कु० बाली,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
2-376GI/77

तारीख : 21-11-77

मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 नवम्बर 1977

निदेश सं० आई० ए० सी० ए०/भोपाल 77-78/899—

अतः, मुझे रा० कु० बाली

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० मकान है, जो रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-4-77।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से तय नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी याय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी याय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, त्रिधाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. (1) श्री हीरालाल पुत्र श्री केदार शंकर (2) श्री नरपत पुत्र श्री दाऊलाल (3) श्री प्रीतम लाल पुत्र श्री धीरज लाल (4) श्री स्वामी जी परमानंदजी (5) श्री नन्द किशोर पुत्र श्री किशन लाल (6) श्री अम्बालाल पुत्र श्री नाथू लाल (7) श्री गोविन्द लाल पुत्र श्री हाथलाल (8) श्री ईश्वर लाल पुत्र श्री कन्जीलाल (9) हिम्मत लाल पुत्र श्री माणकलाल (10) श्री श्री लतिज किशोर पुत्र श्री किशन लाल (11) श्री नवनीत लाल पुत्र श्री नाथूलाल जाति नागर ब्राह्मण सभी निवासी वामवाडा राजस्थान (अन्तरक)

2. दा० क्लोथ मर्चेन्ट एसोशिएशन बजाजखाना रतलाम द्वारा (1) श्री फकीर चन्द पुत्र श्री रघु चन्द, (2) श्री निहाल चन्द पुत्र श्री जडान चन्द (3) श्री समरथ मल पुत्र श्री केशरीमल (4) श्री लक्ष्मी नारायण पुत्र श्री विजय सिंह (2) श्री सुजान मल पुत्र श्री चांद मल चडौदिरा सभी निवासी बजाजखाना रतलाम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाई मजिला मकान स्थित बजाजखाना रतलाम।
(परिमाण 9.84 मीटर × 24.40 मीटर भाग ')।

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

तारीख : 21-11-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 नवम्बर 1977

निदेश सं० आई० ए० सी० ए० ए० / भोपाल 77-78/900—

अतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी 10 मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्रीधर गोपाल राव खार अवकाश प्राप्त मैजोर
निवामी 24, यशवत कालौनी, इन्दौर

(अन्तरक)

2. श्री कमल कुमार पुत्र श्री दीप चन्द जी ओसवाल
द्वारा मैसर्स कमल ग्राभूषण भण्डार, गज बासीदा
विदिशा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाप्त ममति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मजिला मकान क्रमांक 157 स्थित रवीन्द्र नाथ मार्ग,
इन्दौर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 21-11-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 नवम्बर 1977

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/77-78/
901—अतः, मुझे रा० कु० बाली,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-5-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्:—

1. श्रीमती राजकौर पत्नि श्री सुन्दर सिंह जी सिंह
निवासी मडी रोड, देवास
(अन्तरक)

2. श्री गिरधारी लाल अग्रवाल पुत्र श्री बाबू लाल जी
अग्रवाल निवासी 11, सीता बिल्डिंग, यशवंत निवास
रोड, इन्दौर
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट न० 7 ए० स्थित श्री नगर एक्स्टेंशन एनेक्सी
कालोनी, इन्दौर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 21-11-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 नवम्बर 1977.

निदेश सं० आई० ए० सी०/एस्वी०/भोपाल 77-78/802—

प्रतः, मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉटस हैं, जो इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-5-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1. अल्प आय समुदाय गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित 3/1, लोधी मोहल्ला, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. डाक कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था लि० 1, बल्लभनगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 62 से 68 तक, 70 से 73 तक, 76 से 79 तक, 99 से 114 तक व प्लॉट्स नं० 69, 74, 75 व 80 सभी स्थित सेक्टर नं० II बीशाली नगर, असपूर्ण रोड, इन्दौर।

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 21-11-77

मोहर :

प्रकृष आर्डी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 नवम्बर 1977

निदेश सं० आर्डी० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 77-78/903
—अतः मुझे, रा० कु० बाली,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० प्लॉट नं० है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-5-77 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मानव कल्याण गृह संस्था लि०, 195, जवाहर मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. डाक कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था लि०, 4, वल्लभ नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 15 से 30 तक, 32 से 40 तक, 42 से 46 तक, 48 से 56 तक, 58 से 61 तक, 82 से 85 तक, 88 से 91 तक, 93 से 98 तक, 115 से 136 तक प्लॉट नं० 31, 41, 47, 57, 81, 87 व 92 भी स्थित वैशाली नगर, अध्रपूर्ण रोड, इन्दौर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 27-11-77
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 दिसम्बर 1977

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/77-78/904
—अतः, मुझे रा० कु० बाली
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 14-4-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई हिसाब आर की वास्तव उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित बखिना. अर्थात् :—

1 श्री मोतो लाल शाह पुत्र श्री गौरम भाई शाह द्वारा
पावर आफ ऐटर्नी श्री अनिल कुमार पानामन्द शाह
निवासी 3, यशवन्त कानोनी, यशवन्त निवास
रोड, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री घासी राम (2) श्री दामोदर (3) श्री
मुकुटलाल (4) श्री मुगरीलाल सभी पुत्र श्री बुजलाल
(5) श्री मांगी लाल (6) श्री श्रीराम (7) राम
प्रसाद सभी पुत्र श्री नारायण जी सभी निवासी
76, ममोरी दुधे बल्लभनगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
पक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि संवे न० 185 व 187/2 कुल क्षेत्रफल
20.413 हेक्टेयर्स साथ में कुआ व मोटर पम्प स्थित ग्राम
बिचोली मदनाना तह० इन्दौर।

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 1-12-77

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 दिसम्बर 1977

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल-77-78/905—

अतः मुझे रा० कु० वाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो इन्दौर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, :— अर्थात्

1. (1) श्रीमती संतोष बेन पत्नी श्री पानाश्वर शाह
(2) श्री मनीष कुमार (3) कु० राधिका सभी द्वारा पावर आफ ऐटर्नी श्री—अनिल कुमार पुत्र श्री पानानन्द निवासी 3, यशवन्त कालोनी, यशवन्त निवास रोड, इन्दौर

(अन्तरक)

2 (1) श्री घासीराम (2) श्री वामोदर (3) श्री मुकुटलाल (4) श्री मुरारीलाल सभी पुत्र श्री ब्रज लाल (5) श्री मांगीलाल (6) श्री श्रीराम (7) श्री राम प्रसाद सभी पुत्र श्री नारायण सभी निवासी 96, ममोरी दुबे पोस्ट बल्लभ नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे त० 187/1 व 194 कुल क्षेत्रफल 92 201 हेक्टेयर स्थित ग्राम बिचौली मर्दाना तह० इन्दौर।

रा० कु० वाली

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 1-12-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 दिसम्बर 1977

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 77-78/906
—अतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो बिलासपुर में स्थित है, (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बिलासपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 14-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्षरूप प्रतिफल से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्री इब्राहिम भाई पुत्र श्री मूसाजी बोहरा निवासी
सरस्वतीबाजार, बिलासपुर।

(अन्तरक)

2. श्री हकीमुद्दीन पुत्र श्री वाउदभाई बोहरा निवासी
छापर गज, बिलासपुर।

(अन्तरिती)

3. सौराष्ट्र राइस एण्ड आयलमिल, बिलासपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट शीट न० 35 प्लॉट नं० 7 स्थित बिलासपुर।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
४-376GI/77

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 1-12-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 दिसम्बर 1977

निदेश सं० आई० ए० सी० ए०/भोपाल 77-78/907—
अतः, मुझे रा० कु० बाली
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० गोडाउन है, जो दमोह में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय दमोह में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 11-4-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

[अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
द्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. नन्द लाल पुत्र श्री खेमचन्द जैन भागज न० 2, दमोह।
(अन्तरक)

2 (1) श्री प्रवीण कुमार पुत्र श्री प्रेम चन्द
(2) श्री अखतार सिंह (3) पुत्र श्री गोविन्द राम
(3) श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र श्री केशर चन्द पुत्र श्री भुरा
प्रसाद खानुजा, सभी निवासी असाठी बार्ड न० 2,
दमोह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

गौदाम स्थित मोहल्ला मांग गंज न० 3, एच० बी०
356, दमोह।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 1-12-77

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निर्देश सं० ए० पी० 1729—यतः मुझे बी० एस० दहि्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो माडल टाउन, जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई—1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री चुनी लाल मसन्द पुत्र श्री डब्ल्यू० सी० मसन्द, 3-माडल टाऊन, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हरीन्द्र कौर, 44-माडल टाऊन जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख न० 562 मई-77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहि्या
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 30-11-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कार्यालय, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निर्देश नं० ए० सी०-1730—यतः बी० एम० वहिया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो विजय नगर,
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन
तारीख जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भवानी वत्त सहगल पुत्र श्री तुलसी राम सहगल
मार्फत नकोदर इन्डस्ट्रीज, मकसूदा तहसील तथा
जिला जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री सत पाल पुत्र श्री किशोरी लाल 76-77, विजय
नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 1380 जून-77 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० वहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 30-11-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 30 नवम्बर, 1977

निदेश नं० ए० पी० 1731—यतः मुझे बी० एम० दहिया
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिनकी स० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो शिव नगर,
जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छद्म से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य धातियों को
जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 छत्तर सिंह पुत्र श्री लखन सिंह वकील 385—लाजपत
नगर, जालन्धर

(अन्तरक)

2. श्री अमर जीन सिंह पुत्र श्री प्रेम सिंह नं० 32, शिव
नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर जैसा कि विलेख नं० 1355 जून-77 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एम० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 30-11-77
मोहर।

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कार्यालय जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निदेश नं० ए० पी० 1732--यन बी० एम० दाहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बस्ती शेरू रोड, जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्--

(1) श्रीमती विद्या वन्ती विधवा कुन्दन लाल

पुत्र श्री गंगा राम, बस्ती शेरू रोड, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुशील कुमार पुत्र श्री राम चन्द पुत्र श्री ठाकुर

दाम मार्फत बैंड ब्याए ड्राई क्लीनर्ज नं० 239

बस्ती शेरू रोड, जालन्धर।

(3) जैमा कि ऊपर नं० 2 में है।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर का रजिस्टर जैमा कि विलेख नं० 367 अप्रैल 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एम० दाहिया

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 30-11-77

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 30 नवम्बर, 1977

निर्देश '० ए० पी० 17433—यतः मुझे बी० एस० दाहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो ब्रीज नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री बरधाम सिंह पुत्र श्री मन्तराम निवासी मुहल्ला गाजी गुल्ला, जालन्धर
(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश चन्द्र पुत्र श्री सुभ करण न० एन० जी० 24, मुहल्ला ब्रीज नगर, जालन्धर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

घर जैसा कि विलेख नं० 255 अप्रैल 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दाहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 30-11-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री परिमल चन्द्र दे

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 29 नवम्बर 1977

निर्देश सं० 57/77-78/आईएमसी (ए/आर)/बीबीएमआर—

अनं मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹ से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 576, 577 है, जो अनुगोल में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनुगोल में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
2-3-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(2) श्री दुर्गा प्रसाद राय

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिनों की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्याख्या :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन और स्थपित मौजा अनुगोल, जिला डेंकानाल में
स्थित है । वह जमीन अनुगोल सब-रजिस्टार आफिस में 2-3-77
तारीख में रजिस्टर हुआ; जिसके डाक्युमेंट नं० 1094 है ।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेज, भुवनेश्वर ।

तारीख : 29-11-77

मोहर :

प्रारूप आर्डी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 2 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० 58/77-78/आर्डी० ए० सी० (ए०/आर०)/
बी० बी० एस० आर०—अतः मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्र
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० है, जो खेतारानपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सबलपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8-376G.I/77

1. (1) नन्द किशोर पोदर (2) किशन गोपाल
पोदर (3) दिनेश चन्द्र पोदर

(अन्तरक)

(2) दिल्ली मा मिल

वकिल मारफतदार, रतनमि भागि पटेल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थित जमीन खेतारानपुर मौजा, सबलपुर जिला में स्थित
है। वह जमीन सबलपुर सब-रजिस्ट्रार अफिस में 14-3-77
तारीख में रजिस्टर हुआ; जिसके डाक्युमेंट नं० 446 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रंज, भुवनेश्वर।

तारीख : 2-12-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 नवम्बर 1977

निर्देश सं० ए० सी० 23/आर-II/कल०/77-78—अतः मुझे, आर० बी० लालमोथा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० 23ग/552 है तथा जो डायमन्ड हारबार रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार, 24 परगनाम, अलिपुर म, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरण) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मार्थ :—

(1) सर्व श्री (1) लाब सिंह (2) मपुरन सिंह और सुवरन सिंह (3) भजन कौर (4) मिमार सिंह (5) मुक्तार कौर (6) बलविर कौर, नं० 25, पट्टपुकर रोड, कलकत्ता-20 (अन्तरक)

(2) अलोक नाथ मुखर्जी (2) उमा सुन्दरि देवी (3) मन्जीब मुखर्जी (4) विपलवि अनुकला चन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता-72 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क म परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

2 1/2 काठा प्लॉट नं० 552 ब्लॉक 'एन', निउ अलिपुर प्रेमिसेस नं० 23ग/552, डायमन्ड हारबार रोड, पी० एस० अलिपुर, जिला-24 परगना ।

आर० बी० लालमोथा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, कलकत्ता-16 ।

तारीख : 28-11-77
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 नवम्बर 1977

निर्देश सं० ए० सी० 22/आर-II/कल 77-78—अतः मुझे,
आर० सी० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 23ए/552 है तथा जो डायमन्ड हारबार
एंड पी० एस० आलिपुर डि० 24 परगनास में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय मन्त्र रजिस्ट्रार आलिपुर सदर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 1) के अधीन
तारीख 22-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लव सिंह (2) सापुरन सिंह, और साबुरन सिंह, (3)
भजन कौर, (4) सीमार सिंह (5) मुक्तर
कौर, (6) बलबीर कौर, 25 पद्मपुर्कुर रोड,
कलकत्ता-20। (अन्तरक)

(2) (1) अलोक नाथ मुखर्जी, (2) उमा सुन्दरी देवी,
(3) सजीव मुखर्जी, 41, विप्लवी अनुकुल चन्द्र
स्ट्रीट, कलकत्ता-72। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

23ए/552, डायमन्ड हारबार रोड, पी० एस० आलिपुर,
डि० 24-परगनास में ब्लाक "एन" प्लॉट नं० 552 में अर्द्ध
कटा खालि जमीन है (2 1/2 कटा) है।

आर० सी० लालमोया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कलकत्ता-16।

तारीख : 28-11-77

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 नवम्बर 1977

निर्देश सं० ए० सी० 24/आर-II/कल/77-78—अतः मुझे, आर० सी० लालमोया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 23ए/552 है तथा जो डायमन्ड हार्वर रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार-24 परगनास, आलिपुर भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-4-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्व श्री (1) लाभ सिंह (2) सपुरन सिंह और सबुरन सिंह (3) भजन कौर (4) सिमार सिंह (5) मुक्तार कौर (6) बलबीर कौर 25, पद्म-पुकर रोड, कलकत्ता-20

(अन्तरक)

(2) (1) अलोक नाथ मुखार्जी (2) उमा सुन्दरि देवी (3) सनजीव मुखार्जी, 41 विप्लव अनुकुल चन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता-72 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

2 1/2 काठा जमीन प्लॉट न० 552, ब्लॉक 'एन' निउ आलिपुर—प्रेमिसेस नं० 23ए/552, डायमन्ड हार्वर रोड, पी० एस० आलिपुर-24 परगनास ।

आर० सी० लालमोया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख : 28-11-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 नवम्बर, 1977

निदेश सं० बी० जी० आर० (डी०एल०आई०) 32/76-77—अतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० : सी-9, एन० एच० नं० 1 है तथा जो नेहरू ग्राउन्ड एन० आई० टी०, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्—

(1) श्री तारा चन्द } पुत्र श्री जोदा राम
श्री वास देव }
3-जी-10 एन० आई० टी०, फरीदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवान दास, शरन कुमार, रामलाल
पुत्र श्री साधू राम, मकान नं० सी-9, नेहरू ग्राउन्ड,
एन० एच० नं० 1 एन० आई० टी०, फरीदाबाद
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० : सी-9 जो कि 400 वर्ग गज है और नेहरू ग्राउन्ड एन० एच० 1, एन० आई० टी०, पर स्थित है।

"सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्री नं० 8423 में दी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में 14-3-1977 को कराई गई है।"

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 30-11-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 नवम्बर, 1977

निर्देश सं० बी० जी० आर० (डी०एल०आई०)/26/76-77/—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8 है तथा जो एन० एच० आई०, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), 'रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैसर्स भारत केबिन और रिब्वन मैन्यूफैक्चरिंग कं० लि०: रजि०: दफ्तर एन-75, कन्नोट सरकस, नई देहली।

(अन्तरक)

(2) (i) श्री बश राज चंडालिया पुत्र श्री मूल चन्व चंडालिया मारफत ईस्ट इन्डिया काटन कं० लि०: एन० आई० टी० फरीदाबाद।

(ii) श्री हरबंस लाल भटानिया पुत्र श्री लदा मल भटानिया मारफत सोबी ट्रान्सपोर्ट, मथुरा रोड, फरीदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० : 8 जिसका रकबा 1200 वर्ग गज है और जो रेलवे रोड पर बाटा चौक और नीलम सिनेमा पर स्थित है।

"सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्री नं० : 8695, जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में 31-3-1977 को कराई गई, में दी गई है।"

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 30-11-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निर्देश सं० एस० आर० एस०/7/77-78—अतः मुझे,
रवीन्द्र कुमार पठानिया,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 1/2 हिस्सा दुकान नं० : 76, नई मंडी,
सिरसा है तथा जो सिरसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सिरसा, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री छगन लाल पुत्र श्री कलू राम निवासी अबोहर।
(अन्तरक)(2) श्री गौरी शंकर पुत्र श्री त्रिलोक चन्द, दुकान नं०
76, नई मंडी, सिरसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा दुकान नं० : 76, नई मंडी, सिरसा।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता सिरसा के कार्यालय के
रजिस्टर क्रमांक नं० : 537 मास अप्रैल में दिखाई है।)रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतकमोहर : 30-11-77
तारीख

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निर्देश सं० एस० आर० एस०/26/77-78—रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा दुकान नं० 76, नई मंडी सिरसा
है तथा जो सिरसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सिरसा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तिथी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कायित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री छगन लाल पुत्र श्री कालू राम, निवासी अंबोहर ।
(अन्तरक)

(2) श्री हीरा लाल कर्ता,
मै० चेत राम रामसुख दास,
दुकान नं० : 76, नई मंडी,
सिरसा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा; जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

1/2 हिस्सा दुकान नं० : 76, नई मंडी, सिरसा ।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता, सिरसा के कार्यालय में
रजिस्ट्री क्रमांक 542 मास अप्रैल, 77 पर दर्ज है ।)

रवीन्द्रकुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 30-11-77
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री लाल चन्द पुत्र श्री पंजाब राय प्लाट नं० 180—बी० ब्लाक नई मंडी, सिरसा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राम लाल मकड पुत्र श्री नियामत राम निवासी फाजिलका

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 नवम्बर 1977

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाप्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :—

निदेश सं० एस० आर० एस०/10/77-78—अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० : 181/बी-I जिसका रकबा 200 वर्गगज है तथा जो नई मंडी सिरसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिरसा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

प्लाट नं० : 181/बी०-I नई मंडी सिरसा और जिसका रकबा 1800 वर्ग फुट है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता सिरसा के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1270, मास मई, 1977 में दिखाई गई है)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 30-11-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निदेश सं० सी०एच०डी०/23 77-78—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 495/20-ए, चंडीगढ़ है तथा जो चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चंडीगढ़, मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किमी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम के धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री गुरदियाल चन्ध भसीन पुत्र श्री जीवन दास भसीन, 1162/21-बी, चंडीगढ़। (अन्तरक)

(2) (I) श्री गनपत राय शर्मा पुत्र श्री शंकर दास शर्मा
(2) श्रीमती मुक्ता शर्मा पत्नी श्री गनपत राम 89, झोक रोड, फीरोजपुर छावनी। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला रिहायशी मकान नं० : 495, सैक्टर, 20-ए, चंडीगढ़ और जिसका रकबा 254.05 वर्ग गज है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता चंडीगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 160, मास मई, 1977 पर दिखाई गई है।)

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 30-11-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निर्देश सं० सी० एच० डी०/38/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1218/19-बी, चंडीगढ़, है तथा जो चंडीगढ़, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चंडीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या -

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी पूनम, सगरी पुत्री श्री जे० एम० सगरी 412/22-ए, चंडीगढ़ (अन्तरक)

(2) (i) श्री तरलोक सिंह पुत्र श्री नानक सिंह (ii) श्री अमरीक सिंह पुत्र श्री नानक सिंह भार्गव श्री गुरदियाल सिंह 2437/19-सी, चंडीगढ़। (अन्तरिती)

(3) (i) श्री बी० एस० बिन्द्रा, एम० डी० ओ०/एम० ई० एस०

(ii) श्री वासदेव छावडा, शिक्षा विभाग, हरियाणा

(iii) श्री जे० पी० गुप्ता, परिवहन मन्त्रालय

(iv) श्री अमृत कुमार महता

मोडेला बूलन

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मजिला रिहायशी मकान न० 1218, सैक्टर 19-बी०, चंडीगढ़ और जिसका कुल रकबा 275 वर्ग गज है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता चंडीगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 367 मास जन, 1977 पर दिखाई गई है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 30-11-1977

मोहर .

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निर्देश सं० सी० एच० डी०/41/77-78--अतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा मकान न० 99/8-ए, चंडीगढ़ है तथा जो चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्रीमती गुरदीप कौर, पत्नी मेजर, जन० मोहिन्द्र सिंह 305/33-ए, चंडीगढ़

(अन्तरक)

(2) लेफ० जन० सरताज सिंह पुत्र श्री कैप्टन फौजदार सिंह निवासी 80/5, चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा मकान न० 99, सैक्टर 8ए, चंडीगढ़।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता चंडीगढ़ के कार्यालय के रजिस्ट्रार क्रमांक 449, माम जुलाई में दर्ज है।)

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 30-11-1977

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक।

रोहतक, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निदेश सं० एस० आर० एस०/11/77-78—अतः मुझे रवीन्द्रकुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका रकबा 117 कनाल 12 मरले है तथा जो ग्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरसा, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दाविस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री नन्द सिंह जंग सिंह, मदन सिंह तथा श्रीमती जय कौर ग्राम पोहारकाँ, तहसील ब जिला सिरसा (अन्तरक)

(2) (i) श्री भाग सिंह पुत्र श्री लाल सिंह
(ii) सर्वश्री साधू सिंह, सुखविन्द सिंह, गुरतेज सिंह पुत्रान श्री भाग सिंह ग्राम गिरजे बाला (मुक्तसर) पंजाब। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका रकबा 117 कनाल 12 मरले है और जोकि ग्राम पोहारकाँ में स्थित है।

(सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता सिरसा के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक नं० : 2733 मास जुलाई, 1977 में लिखा है।)

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 30-11-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निर्देश सं० एस० आर० एस०/12/77-78—अतः मुझे,
रवीन्द्र कुमार पटानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका रकबा 98 कनाल है तथा
जो ग्राम नजोडलां कला में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सिरसा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री दर्शन सिंह, लखबीर सिंह, भमरीक सिंह
पुत्रान श्री प्रीतम सिंह, ग्राम नजोडलां कला,
तहसील सिरसा

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री सुरिन्दर पाल, विपिन कुमार, पवन कुमार,
पुत्रान श्री लछू राम, मंडी कालावाली, तहसील
सिरसा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका रकबा 98 कनाल है और जोकि

	162	163
खसरा नं० .	1 से 12,	1/1
	96-00	2-00

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता सिरसा के कार्यालय में
रजिस्ट्री क्रमांक 2799 मास जुलाई, 1977 पर दिखाई गई है।

रवीन्द्र कुमार पटानिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 30-11-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 दिसम्बर 1977

निवेश सं० बी० जी० आर० (डी० एल० आई०) 25/76-77—अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पटानिया आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी फैक्ट्री प्लॉट नं० 112 इमारत के साथ है तथा जो सेक्टर नं० 6 फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचन में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स सिदाना इंजीनियरिंग वर्क्स, एन० आई० टी० फरीदाबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स कलच आटो (प्रा०) लि०, एन० आई० टी० फरीदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्ट्री प्लॉट नं० 112 इमारत के साथ जिसका रकबा 1244 44 वर्ग गज है और सेक्टर नं० 6, फरीदाबाद में स्थित है।

"सम्पत्ति जैसे कि सेल डीड रजिस्ट्रेशन नं० 8636 में दी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में 30-3-77 को दर्ज की गई"।

रवीन्द्र कुमार पटानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख . 3-12-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1977

सं० आर० पी० सी० एन०-153/77-78—यतः, मुझे,
के० एस० वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है
और जिसकी संप्लाट नं० 61 है, जो वेंकटेश्वर होजींग, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15 अप्रैल, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि या
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री वासुदेव श्रीशानाजी नाथक धर नं० 15-3-5
गौलीगुडा, हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्री अशोक बी० मुलाजकर पुत्र बी० जी० मुलाजकर
23-5-480 शाहली बानदा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन चारों तरफ दीवार से घिरी है—प्लाट नं० 61
वीस्टीन 360 वर्ग गार्ड नं० 3-5-167 श्री वेकटपारा कोआपरे-
टिव सोसाइटी लि० नारायण गुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री की
है दस्तावेज नं० 697/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद
में है।

के० एस० वेकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 2 दिसम्बर, 1977
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जुन रेंज, हैदराबाद
 हैदराबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० आर० ए० सी०-154/77-78-यत, मुझे,
 के० एम० वेकट रामन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
 करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
 और जिसकी सं० 530/4 वाई नं० 16 है, जो गांधीनगर नेलूर
 में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलूर में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 16 अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
 दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से
 अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
 के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
 किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
 जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के
 अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
 उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-
 10-376G/77

1. श्रीमती ए० सुलोचना पति डा० अर्जुन सिंघ
 पुराना होस्पिटल रास्ता, नेलूर।
 (अन्तरक)

2. श्री पी० के० दोरास्वामी पुत्र के नय्यार नायडु
 घर नं० 530/4 वाई नं० 16 गांधी नगर नेलूर।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
 व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वावद किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास निहित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वर बाजा नं० 530/4 वाई नं० 16 गांधी नगर नेलूर-
 रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 797/77 उपरजिस्ट्रीकृत
 विनैख कार्यालय नेलूर में स्थित है।

के० एम० वेकट रामन,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2 दिसम्बर, 1977
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 नवम्बर 1977

निदेश सं० 37/ए० पी० आर०/77—यतः, मुझे ए० टी० गोविन्दन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 15 है, जो नवबत खाना कोर्ट स्ट्रीट मदुरै में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै (पत्र सं० 674/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधातु :—

(1) श्रीमती महालक्ष्मी अम्माल और आदि
(अन्तरक)

(2) भारत टेक्स्टाईल्स
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, नवबत खाना कोर्ट स्ट्रीट, डोर सं० 15, (टी० एस० सं०—1479, 1478, 1477 और 1472/भाग) में 3933 स्क्वयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

ए० टी० गोविन्दन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 24 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 1 दिसम्बर 1977

निदेश सं० 3852/77-78—यत, मुझे, के० पोन्नन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15, रुचि डुमस पान्डिचेरी में स्थित है (और
इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, पान्डिचेरी (डकुमेण्ट 489/77) में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 20 अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को जावन उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिम्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 के उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इमानुयल आडिसियम और श्रीमती माथुरे
आडिसियम ।

(अन्तरक)

(2) इकोल फ्रन्कायिस डी० एक्स्टीम ओरियन्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पान्डिचेरी, रुचि डुमस डोर सं० 15 में 7778
स्कुयर फीट (मकान के साथ) ।

के० पोन्नन,
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 1 दिसम्बर, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, 123, माऊट रोड मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 1 दिसम्बर 1977 .

निर्देश सं० 5531/77-78—यत् मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 30, हेडोस रोड, मद्रास है, तथा जो हेडोस रोड, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डोकुमेण्ट 200/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 अप्रैल, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत :—

1. (1) श्रीमती पुलवन्टी,
(2) श्री रमेश सी० शा०,
(3) श्रीमती सुनिता,
(4) श्री राजेश सी० शा०,
(5) श्री कम्प्लेश सी० शा०,
(6) श्री विम्लेश सी० शा०
(7) श्रीमती चन्द्रीका सी० शा,
(8) श्री ट्रिलोचना सी० शा० ।

(अन्तरक)

2. श्री रविन्द्र कुमार, श्रीमती उषा बेरड और श्रीमती चन्दन बेरड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास 6, हेडोस रोड, डोर सं० 30, में 3 ग्राउण्ड 926 स्क्वायर फीट (मकान के साथ) ।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-II, मद्रास

दिनांक: 1 दिसम्बर, 1977
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 29th November 1977

New Delhi-110011, the 4th November 1977

No A.32013/1/76-Admn I—In continuation of this office notification of even number dated 5-8-1977 the President is pleased to appoint Shri Anilendu Gupta, a permanent officer of the Grade I of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the selection grade of the service as Deputy Secretary with effect from 1-10-1977, until further orders.

No A.32013/3/76-Admn I—In continuation of this office notification of even number dated 5-8-1977 the President is pleased to appoint Shri A. N. Kolhatkar, an officer of the Indian Revenue Service (Income Tax) as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a further period of 3 months with effect from 1-10-1977 or until further orders, whichever is earlier.

No A.32013/3/76-Admn I—In continuation of this office Notification of even number dated 10-8-1977, the President has been pleased to appoint Shri R. S. Ahluwalia, a permanent Grade I Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis for the period 4-10-1977 to 11-11-1977 or until further orders whichever is earlier.

The 5th November 1977

No. A 32013/1/77-Admn I—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Section Officer's Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S No, Name and Period

1. Shri Vir Singh Riat—3-10-1977 to 2-1-1978
2. Shri R. R. Ahir—5-10-1977 to 31-12-1977
3. Shri Pritam Lal—12-10-1977 to 11-11-1977

P. N. MUKHERJEE

Under Secy,
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 21st November 1977

No. 7 RCT 28(i)—Shri H. S. Rathour, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission who was appointed to officiate as Section Officer in the Commission vide the Commission's Notification No. 2/28/77-Admn, dated the 22nd August, 1977, reverted as Assistant with effect from the afternoon of 15th November, 1977.

No 7 RCT 28(ii)—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. S. Rathour, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission as Section Officer in the Commission, in an officiating capacity, with effect from 17-11-77 to 16-1-1978 or until further orders, whichever is earlier.

SHRI NIVAS

Under Secretary
for Central Vigilance Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS,

(DEPT. OF PERSONNEL AND A R)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,

New Delhi, the 21st November 1977

F No. B-2/70-Ad.V.—Consequent on his selection as Dy S. P. (Vigilance) Nagaland Vigilance Commission, Kohima, Shri B. N. Sinha, Dy. SP CBI, Calcutta B relinquished charge of his office on the afternoon of 31-10-77.

The 24th November 1977

No. A-19015/1/77-Ad.V.—In supersession of Notification of even number dated 26-10-77, Shri O. B. Saran, Section Officer, on transfer from Deptt of Justice, has taken over charge as Section Officer in the Central Bureau of Investigation, Head Office, New Delhi with effect from the forenoon of 12-9-77 until further orders.

R. P. GUPTA
Administrative Officer (E)
C.B.I.

F No. A-19036/9/77 AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri G. M. Ambadkar, Inspector of Police, CBI, Bombay Branch and an officer of Maharashtra Police State to officiate as Dy. Supdt of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 31-10-77 in a temporary capacity until further orders.

Shri G. M. Ambadkar is posted as Dy. Supdt. of Police in the Vimaldal Commission of Inquiry with effect from 31-10-77 (F.N.)

F No A-19036/10/77-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri R. S. Narvekar, Inspector of Police, CBI, Bombay Branch and an officer of Maharashtra State Police to officiate as Deputy Supdt of Police in Central Bureau of Investigation Special Police Establishment with effect from the forenoon of 31-10-77 in a temporary capacity until further orders.

Shri R. S. Narvekar, is posted as Dy. Supdt of Police in the Vimaldal Commission of Inquiry with effect from 31-10-77(F.N.)

V. P. PANDEY

Administrative Officer (A)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE,

New Delhi-110001, the 24th November 1977

No P.VII-3/77-Estt.—In partial modification of para 2 of this Directorate General Notification No P.VII-2/76-Estt dated 24-8-77, Shri B. D. Sareen is promoted as Section Officer in the Directorate General, CRPF on regular basis w.e.f. 17-12-1974.

S. M. GHOSH
Director General, CRPF.

New Delhi-110001, the 29th November 1977

No. P.VII-4/76-Estt-VI—The President is pleased to appoint on promotion Shri Kashmira Singh, Subedar of CRPF to the post of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity until further orders.

He took over charge of the post in 22nd Bn., CRPF w.e.f. 3-11-77(FN) on his repatriation from the ITBP.

The 30th November 1977

No. O.II-71/74-Estt.—Consequent on his reversion to Army, Major S. B. Lal handed over the charge of the post Asst. Commandant Signal Group Centre, CRPF, Narmada on the forenoon of 11th November, 1977.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 23rd November 1977

No 10/13/76-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri Ajit Singh, Investigator in the office of the Registrar General, India, as Assistant Director of Census Operations (Technical), on regular basis, in a temporary capacity, in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh with his headquarters at Lucknow, with effect from the forenoon of 4th October, 1977 until further orders.

No. 10/13/76-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri V. P. Rustogi, Investigator in the office of the Registrar General India, and presently working as Assistant Director of Census Operations (Technical), on *ad hoc* basis, in the office of the Director of Census Operations, Meghalaya, at Shillong, as Assistant Director of Census Operations (Technical), on regular basis, in a temporary capacity, in the same office, with effect from the forenoon of 7th September, 1977, until further orders.

2. His headquarters continue to be at Shillong.

No. 10/13/76-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Grover, Investigator in the office of the Registrar General, India, as Assistant Director of Census Operations (Technical), on regular basis, in a temporary capacity in the office of the Director of Census Operations, Punjab with his headquarters at Chandigarh with effect from the afternoon of 29 September 1977, until further orders, *vice* Shri G. S. Pabla, who stands reverted to his regular post of Investigator from his *ad hoc* appointment as Assistant Director of Census Operations (Technical).

No. 10/13/76-Ad I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Marimuthu Nagappan, an Investigator (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, as Assistant Director of Census Operations (Technical) on regular basis, in a temporary capacity, in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu and Pondicherry with his headquarters at Madras, with effect from the forenoon of 7 October, 1977, until further orders.

No. 10/13/76-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri Chheetar Mal, an Investigator in the office of the Registrar General, India, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Orissa with his headquarters at Cuttack, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 10th October, 1977, until further orders.

2. Shri Chheetar Mal relinquished charge of the post of Research Officer, held by him on a purely temporary and *ad hoc* basis in the office of the Registrar General, India, on the afternoon of 30th September, 1977.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

New Delhi-110011, the 28th November 1977

No. 10/13/76-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Biswas an Investigator in the office of the Registrar General, India and presently working as Assistant Director of Census Operations (Technical) on *ad hoc* basis, in the office of the Director of Census Operations, Lakshadweep, at Kavaratti, as Assistant Director of Census Operations (Technical), on regular basis, in a temporary capacity, in the same office, with effect from the forenoon of 9 September, 1977, until further orders.

No. 10/13/76-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri Y. G. Krishnamurthy, an Investigator in the office of the Registrar General, India, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, at Calcutta, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 10 October, 1977, until further orders.

No. 10/13/76-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Singh, an Investigator in the office of the Registrar General, India, as Assistant Director of Census Operations (Technical), on regular basis, in a temporary capacity, in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, with his headquarters at Bombay, with effect from the forenoon of 16 November, 1977, until further orders.

BADRI NATH
Deputy Registrar General, India and
ex-officio Deputy Secretary

MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT OF E A)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 28th November 1977

No. 1438/A—In continuation of Notification No. 780/A dated 4-9-76, the *ad hoc* appointments of S/Shri J. H. Sayyad & R. Venkataraman as Dy. Control Officers, ISP are extended for a further period upto 30-11-77 on the same terms and conditions or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier.

D. C. MUKHERJEA
General Manager and Exports in the office of the Joint Chief Controller of

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR

Ranchi, the 21st November 1977

No. OEI-Audo-PF-3090.—The Accountant General has been pleased to promote Smt. Uma Guha, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 28-10-77 (forenoon).

No. OEI-Audo-PF-3094.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Satish Chandra Raut a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 12-10-77 (forenoon).

The 23rd November 1977

No. OEI-Audo-3128.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Bhaurab Chandra Dutta, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 31-10-77 (forenoon).

B. P. SINHA
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-16, the 26th November 1977

No. 81/77/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri Nilratan Dey, Offg. T.S.O. (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 30th Sept, 1977 (AN).

M. N. SHUKLA
Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 21st November 1977

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENTS

No. 6/489/58-Admn(G)/8243.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Bansal permanent Controller of Imports and Exports (Class-II) as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports (CLA), New Delhi with effect from the forenoon of 16th July, 1977, until further orders.

No. 6/606/60-Admn(G)/8250.—On attaining the age of superannuation, Shri J. C. Rai, Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Central Licensing Area, New Delhi relinquished the charge of the post on the afternoon of the 31st October, 1977.

No. 6/744/65-Admn(G)/8258.—The President is pleased to appoint Shri P. C. S. Pissurilencar, a permanent Controller of Imports and Exports in this organisation as Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Goa, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16th July, 1977, until further orders.

The 23rd November 1977

No. 6/887/69-Admn(G)/8295.—On attaining the age of superannuation, Shri G. K. Gandhi, an officiating Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay relinquished the charge of the post on the afternoon of the 31st October, 1977.

No. 6/415/56-Admn(G)/8302.—The President is pleased to appoint Shri K. R. Dheer, a permanent Controller of Imports and Exports as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of

Imports and Exports, Central Licensing Area, New Delhi in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16th July, 1977, until further orders

The 28th November 1977

No 6/491/58-Admn(G)/8332—The President is pleased to appoint Shri M. L. Bhargava a permanent Controller of Imports and Exports (Class-II) in this organisation as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 16th July, 1977, until further orders.

No 6/486/58-Admn(G)/8364—The President is pleased to appoint Shri R. S. Panwar, Controller of Imports and Exports in this organisation as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Central Licensing Area, New Delhi in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st August, 1977, until further orders.

K. V. SESHADRI
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 26th November 1977

No A-12011/8/77-DCH—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 15th November 1977 and until further orders Shri G. D. Vaghela, Deputy Director (Designs) in the Weavers' Service Centre, Bombay as Director of Designs (Export) in the same Centre.

(Km) R. SAHNI
Dy. Development Commissioner for Handlooms

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 23rd November 1977

No A-1/1(655)/III.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Kalyanaraman, Dy. Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate, on *ad hoc* basis as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 5th November, 1977 and until further orders.

No A-1/1(753)/II.—The President is pleased to appoint Shri Sarvesh Swarup, Assistant Director (Grade I) Grade III of the Indian Supply Service Group 'A' in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on *ad hoc* basis, as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Dte. General at New Delhi with effect from the forenoon of the 5th November, 1977 and until further orders.

The 28th November 1977

No A-1/1(648)/III.—The President is pleased to appoint Shri M. Sundararaman, Deputy Director (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta to officiate, on *ad hoc* basis, as Director (Grade I of the Indian Supply Service Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of the 14th November, 1977 and until further orders.

Shri Sundararaman relinquished charge of the post of Deputy Director in the office of the Director of Supplies & Disposals at Calcutta on the afternoon of the 7th November, 1977 and received charge of the office of Director of Supplies in the Directorate General of Supplies and Disposals at New Delhi on the forenoon of the 14th November, 1977.

The 29th November 1977

No. A-1/2(360)—The President is pleased to appoint Shri Ardaman Singh who has been officiating as Director (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of the 21st Oct., 1976, as Director (Grade I of the Indian Supply Service Group 'A') in the same Dte. General at New Delhi on regular basis with effect from the forenoon of the 14th July, 1977 and until further orders.

No A-1/2(360)—The President is pleased to appoint Shri Aman Lal, who has been officiating as Director (Grade I of the Indian Supply Service Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on *ad hoc* basis with effect from 6-6-1977 (FN) to officiate as Director (Grade I of the Indian Supply Service Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi on regular basis with effect from the forenoon of the 8th August, 1977 and until further orders.

The 30th November 1977

No A-1/1(1105).—The Director General, Supplies & Disposals hereby appoints Shri Gian Chandra, Supdt (Supervisory Level II) in the office of the Director of Inspection, N. I. Circle, New Delhi to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the Dte. General, Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 16th November, 1977 and until further orders.

2 The appointment of Shri Gian Chandra as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

A-1/1(1107)—The Director General, Supplies & Disposals hereby appoints Shri Jaishi Ram, Junior Progress Officer in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the same Dte. General at New Delhi with effect from the forenoon of 16th November, 1977 and until further orders.

2 The appointment of Shri Jaishi Ram as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

No A-1/2(360)—The President is pleased to appoint Shri S. N. Banerjee who has been officiating as Director (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on *ad hoc* basis with effect from the afternoon of the 7th November, 1974, to officiate as Director (Grade I of the Indian Supply Service Group 'A') in the same Dte. General at New Delhi on regular basis with effect from the forenoon of the 14th July, 1977 and until further orders.

No A-1/2(360)—The President is pleased to appoint Shri R. N. Das, who has been officiating as Director (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on *ad hoc* basis with effect from 7-11-1974 (FN) to officiate as Director (Grade I of the Indian Supply Service Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi on regular basis with effect from the forenoon of the 14th July, 1977 and until further orders.

SURYA PRAKASH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 23rd November 1977

No A19011(202)/76-Estt A—The President is pleased to appoint Shri A. K. Srivastava to the post of Jr. Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 24th October, 1977, until further orders.

L. C. RANDHIR
Head of Office

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 19th November 1977

No. 3/59/60-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri B. P. Wadavi, Senior Accountant, Central Sales Unit, All India Radio, Bombay to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Indore, with effect from 14-11-77 (F.N.) until further orders.

S. V. SESHADRI
Deputy Director of Admin.
for Director General

New Delhi, the November 1977

No. 10/109/77/S III.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri S. Jawahar to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Sambhalpur with effect from 11-11-77.

The 23rd November 1977

No. 4(51)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri K. Srinivasaraghavan as Programme executive, All India Radio, Tiruchirappalli in a temporary capacity with effect from 10th October, 1977 and until further orders.

The 28th November 1977

No. 4(12)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Haseen Uddin Siddiqui as Programme Executive, All India Radio Ambikapur in a temporary capacity with effect from 31st October, 1977 and until further orders.

No. 4(56)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Abdur Rahman as Programme Executive, All India Radio, Ranchi in a temporary capacity with effect from 1st October, 1977 and until further orders.

No. 10/79/77/SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri P. K. Jain to officiate as Assistant Engineer at AIR, Silchar w.e.f. 14-10-77.

No. 10/95/77/SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Chandra D. Sharma to officiate as Assistant Engineer at AIR, Chattarpur w.e.f. 1-11-77 (AN).

N. K. BHARDWAJ
Deputy Director Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 23rd November 1977

No. A-12026/1/77-Est I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri A. R. Sharief, Officiating Asstt. Newsreel Officer, Films Division, Jaipur, to officiate as Cameraman in Films Division, New Delhi with effect from the forenoon of the 24th October, 1977, *vice* Shri S. Pattabhiraman, Permanent Cameraman, appointed as Newsreel Officer.

M. K. JAIN
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 28th November 1977

No. 12-24/73-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri S. K. Chatterjee, Section Officer in the Directorate General of Health Services, retired from the Government service on the afternoon of 31st October, 1977.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration.

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Mandabad, the 24th November 1977

No. F-4-5(84)/77-A III.—On the recommendation of the UPSC, Shri Gopal Singh, Senior Chemist, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group III) at Nagpur with effect from 25-10-77 (F.N.), until further orders.

No. F-4-6(129)/77-A III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, Shri P. Kutumba Rao, Senior Inspector has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Hyderabad with effect from 31-10-77 (F.N.), until further orders.

V. P. CHAWLA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 29th November 1977

No. F-2-1/77-Est II.—Shri Amar Singh has been appointed as Design Engineer (Group 'B' Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Extension Education Institute, Nilokheri, Distt. Karnal (Haryana) on an *ad hoc* basis, with effect from Forenoon of 7th April, 1977, until further orders.

CHANDRA PRAKASH
Director of Administration

NATIONAL FOREST RESOURCES SURVEY

Dehra Dun, the 28th November 1977

No. 4-7/76-Adm.—The services of Shri D. P. Mohindra, permanent Accounts Officer belonging to the cadre of Controller General of Defence Accounts, who was working as Accounts Officer in National Forest Resources Survey, Dehra Dun on deputation basis, are hereby transferred to Pension establishment of Controller General of Defence Accounts w.e.f. 31-10-77 (AN), on attaining the age of superannuation viz. 58 years in pursuance of P. II office order No. 84 dated 5-2-77 of the Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.

CHIEF COORDINATOR
P. B. X. Line—4191-4192.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 9th November 1977

No. DPS/23(4)/77-Est/3320.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Purchase Assistants of the Directorate of Purchase and Stores to officiate as Assistant Purchase Officers on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate for the periods as mentioned against each.

Sl. No., Name, Period for which appointed and Remarks

1. Shri K. K. Krishnan, From 28-10-1977 to 24-11-1977 —Vice Shri S. J. Pradhan, Asstt. Purchase Officer granted leave.
2. Shri C. S. Shivaramu, From 24-10-1977 to 24-11-1977 —Vice Shri B. L. Thakur, Asstt. Purchase Officer granted leave.

B. G. KULKARNI
Asstt. Personnel Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 6th November 1977

No. PAR/0704/2762.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Mohd Minhaj Rasool, UDC, to officiate as Assistant Personnel Officer on *ad hoc* basis in Nuclear Fuel Complex, Hyderabad from 5-11-1977 to 4-12-1977 or until further orders whichever is earlier.

U VASUDEVA RAO
Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

No. RAPP/Rectt.3(1)/77/S/1597.—The Chief Project Engineer Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint Shri P. C. Natekar, a Quasipermanent Asstt. Foreman and Officiating Foreman, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in the same project with effect from the forenoon of 1st Nov. 1977 until further orders.

GOPAL SINGH
Administrative Officer (E)
for Chief Project Engineer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 31st October 1977

No. HWP/Estt/1/M-13/5823.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Vasant Krishna Mahagaonkar, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant of Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Accounts Officer in the same office, in a temporary capacity, on an *ad hoc* basis, from October 24, 1977 (FN) to November 24, 1977 (AN) *vice* Shri A. M. Vaidya, Assistant Accounts Officer, appointed to officiate as Accounts officer II.

No. HWP/Estt/1/V-22/5824.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Achyut Mukund Vaidya, a permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer of Bhabha Atomic Research Centre now on deputation to Heavy Water Projects (Central Office) in the same grade, to officiate as Accounts Officer II in the same office, in a temporary capacity on an *ad hoc* basis, from October 24, 1977 (FN) to November 24, 1977 (AN) *vice* Shri M. M. Kasbekar, Accounts Officer II, granted leave.

T. C. SATHYAKEERTHY
Senior Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

PO - TAPP, the 1st November 1977

No. TAPS/1/18(3)/77-R.—In supersession of this office Notification of even No. dated 13-9-1977, Chief Superintendent, TAPS, Department of Atomic Energy, appoints Shri V. K. P. Pillai, a permanent Personal Assistant, TAPS as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960, on *ad hoc* basis with effect from 21-7-1977 until further orders.

D. V. MARKALE
Chief Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603102, the 14th November 1977

No. A.32013/4/77/R.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri K. G. Samuel, a temporary Scientific Assistant 'C' of this Centre as Scientific Officer Grade SB in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1977 until further orders.

K. SANKARANARAYANAN
Sr. Administrative Officer
for Project Director, Reactor Research Centre

11—376GI/77

CIVIL ENGINEERING GROUP

Kalpakkam-603102, the 9th November 1977

No. CEG/1(6)/77-Adm.—Chief Engineer (Civil), Civil Engineering Group, Department of Atomic Energy Projects, Kalpakkam, appoints S/Shri R. Thyagarajan, K. Srikantiah, H. Ganesan and N. Kumar, temporary Supervisors (Civil) as Scientific Officers/Engineers Grade SB in a temporary capacity in the Civil Engineering Group, Kalpakkam with effect from the forenoon of August 1, 1977 until further orders.

V. S. VENKATESWARAN
Administrative & Accounts Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 23rd November 1977

No. E(I)00938.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. B. Mazumdar as Assistant Meteorologist, in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 15th October, 1977 and until further orders.

Shri Mazumdar has been posted to the office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology), Pune.

No. E(I)06790.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. K. De as Assistant Meteorologist, in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd October, 1977 and until further orders.

Shri De has been posted to the office of the Director (Instruments) Pune.

G. R. GUPTA
Meteorologist
for Director General of Observatories

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-VIDYALAYA

Dehra Dun, the 26th November 1977

No. 16/270/77-Est-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Dr. Rita Dhawan as Research Officer at the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun with effect from the afternoon of 9th November, 1977, until further orders.

P. R. K. BHATNAGAR
Kul Sachiv
Van Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Patna, the 24th November 1977

C No. II(7)1Et/77/13265.—Shri S. P. Shrivastava, Dy. Superintendent of Police, CRPF appointed as communication officers on deputation in the Directorate of Communication vide Government of India, Department of Revenue, New Delhi's Order No. 124/77 dated 4th August 1977 in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 and special pay of Rs. 100/- per month assumed charge as communication officer of customs in the Collectorate of Customs (Prev.), Patna on 12th Aug. 1977 (Forenoon) at New Delhi as per Ministry of Finance, Department of Revenue, Directorate of Communication (Customs), New Delhi's Order No. 9/77 dated 9th August 1977 and subsequently he has reported for duty on 16th August 1977 (forenoon) at Patna.

Sd. ILLEGIBLE
Collector
Central Excise, Patna

Patna, the 26th November 1977

C No II(7)1-ET/77/13308.—In pursuance of Govt. of India, Department of Revenue, New Delhi's Order No 136/77 dated 23rd Aug 1977 and this office Estt. Order No. 244/77 dated 7th September 1977, Sri C. K. Kaloni, Superintendent Group 'A' of Central Excise assumed charge as Assistant Collector (L/R) Central Excise Hqrs. Office, Patna in the forenoon of 12th September 1977.

Sd./- ILLEGIBLE
Collector
Central Excise, Patna.

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT
CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 23rd November 1977

No 13/77.—Consequent on his retirement from service Shri H. C. Saxena, relinquished charge of the post of Inspecting Officer, (Customs & Central Excise) Group 'B' in the North Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at Allahabad in the afternoon of the 31st October, 1977.

No 14/77.—Shri S. Hameedul Hasan lately posted as Supdt, Central Excise, Group 'B' in Central Excise Collectorate, Allahabad, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' in the North Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at Allahabad on 31st October 1977 (A.N.) vice Shri H. C. Saxena retired.

No 15/77.—Shri Dharam Pal Sharma likely posted as Supdt of Central Excise, Group 'B' in Central Excise Collectorate, Chandigarh, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, at New Delhi on 11th November 1977 (Forenoon).

S. VENKATARAMAN
Director of Inspection.

DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 23rd November 1977

No. 14-TR(5)/63.—Shri O. P. Mehta, Lecturer-in-Engineering D.M.E.T., Calcutta, relinquished charge of his post consequent upon the acceptance of his resignation with effect from 11th July 1977 (F.N.)

K. S. SIDHU
Dy. Director General of Shipping.

INTEGRAL COACH FACTORY
GENERAL MANAGER'S OFFICE,
PERSONNEL BRANCH

Madras-38, the 25th November 1977

No PB/GG/9/Misc II.—Sri Ramachandran, offg Sr Mechanical Engineer (SS) on return from deputation with the Calcutta Tramways Co., Ltd., reported for duty in ICF on the forenoon of 4th October 1977.

Shri C S Venkataraman, offg District Controller of Stores/Depot/Fur, (SS) has been reverted to Class II service from 11th October 1977 F.N.

Sri Syed Niamathullah, offg Asstt Production Engineer/PR/F (Cl II) has been promoted to officiate in Senior scale as Works Manager/Fur from 27th October 1977

S. VENKATARAMAN
Deputy Chief Personnel Officer,
For General Manager.

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 2nd November 1977

No. 76/W4/CNL/NE/25.—It is hereby notified for general information that the Ministry of Railways (Railway Board) has sanctioned a Reconnaissance/Preliminary Engineering-cum-Traffic Survey for construction of a metre gauge line from Nautanwa to Sonauli (10 kms) The survey is being carried out by the North-Eastern Railway

B. MOHANTY
Secy., Railway Board.

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION
(DEPARTMENT OF SUPPLY)

NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 18th November 1977

No. G-65/B(CON).—The undermentioned hereby appoints Sarvashri Subrata Ghatak and Tarit Kanti Datta, Scientific Assistant (Chemical) in the National Test House, Calcutta to officiate as Scientific Officers (Chemical) in the same office with effect from 24th October 1977 (F/N) and 31st October 1977 (F/N) respectively on an ad hoc basis until further orders.

The 21st November 1977

No. G-65/B(CON).—The undersigned hereby appoints Shri Phani Bhushan Chakraborty to officiate as Scientific Officer (Physical) in the National Test House, Calcutta with effect from 25th October 1977 (F/N) until further orders.

B. C. BISWAS
Joint Director,
National Test House, Calcutta.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF REGISTRAR OF COMPANIES

TAMIL NADU, MADRAS

*In the matter of Companies Act, 1956 and of the
South Arcot Veeranarayam Produce and Commerce Ltd.*

Madras-600006, the 11th March 1976

No 2541/Liqn/S.247/57/75.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of the South Arcot Veeranarayam Produce and Commerce Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of the
Shanmuga Vilas Theatres Limited*

Madras-600006, the 11th March 1976

No. 2681/Liqn/S.560(5)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of The Shanmuga Vilas Theatres Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of the
Messrs Thiya Industries Limited (in Liquidation)*

Madras-600006, the 24th July 1976

No 3604/Liqn/S 560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of Messrs. Thiya Industries Limited (in Liquidation) has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of the
Ruby Rubber Works (Madras) Limited
(Section 445 of the Companies Act 1956).*

Madras, the 22nd November 1977

No. 3707/C.Lqn 77.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Madras, dated 14th February 1976 passed in C. P No 60 of 1974 the Company Ruby Rubber Works (Madras) Limited was wound up.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Venus Chit Fund Private Limited (in Liquidation)*

Madras 600006, the 29th November 1977

No 3567/Lqn/S.560/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Sec. 560 of the Companies Act 1956 and that the name of Venus Chit Fund Private Limited (In Liquidation) has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

C. ACHUTHAN
Asstt. Registrar of Companies
Tamilnadu, Madras.

FORM ITNS—

(1) Jai Shastri Nagar Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

(2) Neo Shastri Nagar Co-operative Housing Society Ltd.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 26th November 1977

Ref. No AR-IV/802-1/May' 77—Whereas, I M. C Upadhyaya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Plot No. "B", Survey No 146 (part) situated at Village Nahur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-4-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

LIST OF THE MEMBERS OF NEO SHASTRI NAGAR CO-OPERATIVE HOUSING SOCIETY LTD., MULUND, BOMBAY-400 082

Sr No	Name of the Member	Flat No
1	2.	3
1	Shri N O K. Pillai	1/1
2	Shri D H Dadlani	1/2
3	Shri K Vijai	1/3
4	Shri K V Keshavanunu	1/4
5	Shri Jestin Jacob	1/5
6	Shri Pramod M. Basur	1/6
7	Smt V L. Rohira	1/7
8.	Smt. Savitri Jayurajan	1/8
9	Smt. C P. Kalani	1/9
10.	Shri E. Aravindakshan	1/10
11	Shri M T Punjabi	1/11
12	Shri G. R. Pillai	1/12
13	Shri M P Thomas	1/13
14.	Shri S. D Kapoor	1/14
15	Shri D. R. Dhusia	1/15
16.	Shri Kithunni Krishnana	1/16
17	Shri A. K. Mehta	1/17
18	Smt. D. L. Nanu	1/18
19	Shri J. N. Padmanabhan	1/19
20	Shri Purushottam Hassabettu	1/20
21	Shri S D Jagasia	2/21
22.	Shri M R. K Nantiyal	2/22
23	Shri R R Darne	2/23
24.	Shri Atchi B. Devdas	2/24
25.	Shri S. S. Sandhu	2/25
26.	Shri Y. S. Shetty	2/26
27.	Shri T M. N. Nait	2/27
28	Smt Omana K Nambiar	2/28
29	Shri K. S Nagi	2/29
30	Smt. Mohini K Gurnani	2/30
31	Shri K V Sodhi	2/31
32.	Smt. G. A. Upadhyaya	2/32
33	Shri K. Balakrishnan	2/33
34	Shri N. R. Sharma	2/34
35	Shri P. B. Sanena	2/35
36	Shri P. G. N. Pillai	2/36
37	Shri A. T. Mathew	2/37
38.	Shri R. Bajaj	2/38
39	Shri J. M. puthram	2/39
40	Shri K Unni Madhavan	2/40
41.	Shri Jagmohan Baldun	3/41
42.	Smt S Mikherjee	3/42
43.	Shri S. Gandhi	3/43
44	Smt Ramdevi Sachdev	3/44
45.	Shri S G. Deshpande	3/45
46.	Smt U K. Shetty	3/46
47	Smt Ratna	3/47
48.	Shri N N Kothari	3/48
49.	Shri Govindram L Rajusth	3/49
50.	Smt J P. Shiv	3/50
51.	Shri William Monterio	3/51
52.	Shri Pasiani Mehta B.	3/52
53	Shri K G Darvani	3/53
54	Shri Shashi Kant K. Ail	3/54
55.	Shri O. M. Ratna Karen	3/55

<i>Sr. No.</i>	<i>Name of the Member</i>	<i>Flat No.</i>	<i>Sr. No.</i>	<i>Name of the Member</i>	<i>Flat No.</i>
1.	2.	3.	1.	2.	3.
56.	Smt. Kantidevi Kapoor	3/56	122.	Smt N John	7/122
57.	Shri Jaspal Singh H. S.	3/57	123.	Miss D L. Tejwani	7/123
58.	Smt. G. S. Dube	3/58	124.	Shri Sachdeo	7/124
59.	Smt. N. R. Gopalan	3/59	125.	Smt Lalita D. Dhara	7/125
60.	Shri G. M. Kulkarni	3/60	126.	Shri J. M. Paurani	7/126
61.	Shri K. K. Shankaran	4/61	127.	Shri R. R. Williams	7/127
62.	Smt. D. K. Sandhu	4/62	128.	Smt. H. T. Ahuja	7/128
63.	Smt. Pushpa D. Joshi	4/63	129.	Shri G. G. D'souza	7/129
64.	Shri S. R. Krishnan	4/64	130.	Shri B. Vachani	7/130
65.	Shri R. G. Gupte	4/65	131.	Smt. Ammini Joseph	7/131
66.	Shri C. L. Sanake	4/66	132.	Smt. E. Manikyam	7/132
67.	Smt. Sarojini Thambappam	4/67	133.	Miss Kiran S. Jain	7/133
68.	Shri Vinod Kumar Vohra	4/68	134.	Miss Asha S. Jain	7/134
69.	Shri R. K. Seth	4/69	135.	Shri G. N. Ramanjan	7/135
70.	Shri R. R. Shaikh	4/70	136.	Shri S. Singh Manchanda	8/136
71.	Shri Topandas Thakur	4/71	137.	Shri Gianchand Nagwani	8/137
72.	Smt. Padma A. Hemrajani	4/72	138.	Shri A. J. Verjhere	8/138
73.	Shri Anthony Durai	4/73	139.	Smt. S. K. Dwaliwal	8/139
74.	Smt. Talvender Kaur S.	4/74	140.	Shri G. B. Bedi	7/140
75.	Shri Naranjan Singh J.	4/75	141.	Shri Mukesh K. Rancy	8/141
76.	Shri J. S. Jethwani	4/76	142.	Smt. Padma Thakur	8/142
77.	Smt. V. Sakhrani	4/77	143.	Smt. Shapida Mohammed	8/143
78.	Smt. May J. Zalki	4/78	144.	Smt. D. V. Nagpal	8/144
79.	Shri Arjan M. Santani	4/79	145.	Smt. K. S. Punjabi	8/145
80.	Shri Vinod Agnani	4/80	146.	Shri D. K. Dandari	8/147
81.	Smt. Vatsala Nair	5/81	147.	Smt. S. Mishra	8/147
82.	Shri K. K. George	5/82	148.	Shri Natraujan	8/148
83.	Shri P. D. Naidu	5/83	149.	Shri M. K. Sharma	8/149
84.	Shri V. K. Unni Nair	5/84	150.	Shri R. K. Jaitley	8/150
85.	Smt. Sushmadevi Jain	5/85	151.	Shri G. Badyal	8/151
86.	Smt. Kamla H. Punjabi	5/86	152.	Shri Arjan V. Santani	8/152
87.	Shri S. R. Punjabi	5/86	153.	Smt. Bimla	8/153
88.	Shri D. N. Nanak	5/88	154.	Miss Pushpa S. Nagpal	8/154
89.	Shri Ajitsingh Khersingh	5/89	155.	Shri J. M. Kale	8/155
90.	Shri Cheriam Abraham	5/90	156.	Smt. P. Surendra Singh	9/1
91.	Shri M. S. Puthra	5/91	157.	Shri D. G. Shellar	9/2
92.	Shri N. Kumaran	5/92	158.	Smt. Gomtubai Agarwal	9/3
93.	Shri Oommen Mathew	5/93	159.	Shri A. V. Nayanity	9/4
94.	Shri K. Malti Shankaran	5/94	160.	Shri K. Nahubani	9/5
95.	Shri Suresh Krishnakant A.	5/95	161.	Smt. Sawant Aruna K.	9/6
96.	Shri H. B. Nagaonkar	6/96	162.	Shri K. Balan	9/7
97.	Shri M. V. Badlani	6/97	163.	Smt. Bhat Mahadevi D.	9/8
98.	Shri G. S. Gohil	6/98	164.	Shri Rochairam	10/9
99.	Shri H. S. Gohil	6/99	165.	Shri Rochiram	10/10
100.	Shri V. B. Shinde	6/100	166.	Shri S. J. Ahuja	10/11
101.	Shri G. K. Thilakan	6/101	167.	Shri Ahuja	10/12
102.	Smt. A. K. Krishnan	6/102	168.	Shri Mehra	10/13
103.	Shri H. R. Satye	6/103	169.	Smt. C. Karat	10/14
104.	Shri V. K. Nathani	6/104	170.	Smt. Joshi	10/15
105.	Smt. Lata S. Rajani	6/105	171.	Shri K. N. Chaudhary	10/16
106.	Smt. Pushpa Vachani	6/106	172.	Smt. S. Bhandare	10/17
107.	Shri Mahesh Ambegoankar	6/107	173.	Shri R. D. Bhandare	10/18
108.	Smt. V. K. Bajaj	6/108			
109.	Shri Kartar Singh	6/109			
110.	Shri G. M. Jacob	6/110			
111.	Shri O. M. Nanda	6/111			
112.	Shri P. Gopala Krishnan	6/112			
113.	Smt. R. R. Bhatia	6/113			
114.	Miss J. O. Kotwani	6/114			
115.	Smt. Shaila J. Rao	6/115			
116.	Shri K. K. M. Kurup	7/116			
117.	Smt. Viju Devi Sharma	7/117			
118.	Smt. Jyoti P. Haswani	7/118			
119.	Smt. Mayadevi Sharma	7/119			
120.	Smt. Sugnibai R. Punjabi	7/120			
121.	Shri Kamal Krishnan Kapoor	7/121			

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

the East by the property belonging to the Vendors, on or towards the West by Government land, on or towards the South by Land belonging to E. Ratanshaw Limited and on or towards the North by the Municipal Corporation Road,

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of agricultural vacant land situate lying and being at Village Nahur, Mulund, being Plot No "B", admeasuring 12,990 square yards, *i.e.* 1081.27 square metres being a portion of Survey No. 146 (part) in the Registration Sub-District of Bandra, Bombay Suburban District and bounded as follows, that is to say, on or towards

M. C. UPADHYAYA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range IV, Bombay

Date : 26-11-1977

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th November 1977

Ref. No. AP62/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar on March, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mohinder Kaur d/o
Shri Tirlok Singh, S/o
Shri Asa Singh,
Fazilka Road, Abohar
(Transferor)
- (2) Shri Pyara Singh,
Shri Kundan Singh,
Shri Dara Singh
Ss/o Shri Labh Singh
S/o Shri Mukha Singh
R/o Sukhera Basti, Abohar.
(Transferees)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 54 K 11 M situated in village Abohar as mentioned in sale deed No 2158 dated 2-3-1977 registered with the SR Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 14-11-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th November 1977

Ref. No. AP61/BTI/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Surinder Singh, Jaswinder Singh
S/o Sh. Mehar Singh
S/o Shri Chanda Singh,
r/o Goraya.
(Transferor)
- (2) Shri Joga Singh
S/o Shri Ajit Singh
S/o Shri Ram Kishan,
r/o Goraya.
Teh. Phillaur.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property measuring 1 marla 4 Sarsai situated at Goraya as mentioned in sale deed No. 5054 of March, 1977 with the S.R. Phillaur.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 14-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda the 14th November 1977

Ref No. AP 59/BII/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

12-376GI/77

(1) Shri Jaswinder Singh
S/o Shri Mehar Singh
S/o Shri Chanda Singh,
r/o Goraya.

(Transferor)

(2) Shri Joga Singh
S/o Shri Ajit Singh
S/o Shri Ram Kishan,
r/o Goraya.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop measuring 1/2 marlas land as mentioned in registration deed No 5071 dated 14-3-77 registered with the sub-registrar, Phillaur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 14-11-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th November 1977

Ref. No AP60/BTI/77-78—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on March, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Surinder Singh, Jaswinder Singh
S/o Shri Mehar Singh
S/o Shri Chanda Singh,
r/o Goraya

(Transferor)

- (2) Shri Ajit Singh
S/o Shri Ram Kishan,
S/o Sh. Sunder Singh
r/o Goraya.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

- (4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property measuring 1/2 marla situated at Goraya as mentioned in sale deed No 3053 of March 1977 registered with the SR Phillaur (Shop)

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date 14-11-1977
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th November 1977

Ref No AP63/BII/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No As per Schedule situated at Dangar Khera

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Fazilka on March 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dewan Chand
S/o Shri Amin Chand
R/o Village Nangal Kera,
Teh. Fazilka.

(Transferor)

- (2) Shri Waryam Ram
S/o Shri Amin Chand
S/o Shri Bahadur Ram,
R/o Dangar Khera,
Teh Fazilka

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
(4) Anybody interested in the property
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
(b) by any other person interested in the said immovable immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 56 K 8 M in village Dangar Khera, Teh. Fazilka as mentioned in registration deed No 3616 dated 30-3-1977 registered with the SR Fazilka

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date 14-11-1977

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 26th November 1977

Ref No IAC/Acq II/1287/77-78/4342.—Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. A-1/7 situated at Krishan Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 12-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sita Ram Gupta
S/o Shri Raghunath Dass Gupta
r/o A-1/7 Krishan Nagar, Delhi

(Transferor)

(2) Prem Narain Gupta
s/o Shri Sita Ram Gupta
r/o A-1/7 Krishan Nagar, Delhi-51

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storied house constructed on a plot of land measuring 307 1/5 sq. yds bearing Plot No 7 Block A-1 situated at Krishan Nagar, Delhi & Bounded as under —

North : Road
West : Built up plot No A-1/6
South : Road
East : Partly built plot A-1/7-B.

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 26-11-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 30th November 1977

Ref No IAC/Acq.II/1288/77-78/4342 —Whereas, I,
A L SUD,

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No No 7255 situated at Roshanara Extension Scheme, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 7-4-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s G.M.C. Himco Industries Ltd,
Redg. Office at Premises of
M/s Tin Printing Building
No 7259 Roshanara Extn Scheme, Delhi
through Shri Dinesh Diang, Director.
1/o W/37 G.K.I. New Delhi
(Transferor)
- (2) Shri Sat Pal Mohindroo,
Yashpal Mohindroo Ajinder
Alias Ajinder Pal Mohindroo
all Ss/o Shri Jag Wasaya Mohindroo,
r/o C-26 Sudarshan Park, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Municipal No. 7255 measuring 562 vds alongwith the entire superstructure thereon situated at Roshanara Extension Scheme, Delhi & bounded as under:—

North : G. T. Road
South : Shakti Temple
East : Temple
West Road 40 ft. wide

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 30-11-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th November 1977

Ref. No. IAC/Acq III/1321/77-78 4343—Whereas, I
A. L. SUD,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/76 situated at Tehar I, (Subhash Nagar) New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 24-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely,—

(1) Shri Ram Lal Sawhney
S/o Shri Sant Ram Sawhney,
R/o B-23, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Kumar Malhotra,
S/o Shri Mastan Chand Malhotra,
170 11, Mahabul Nagar,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Government Built Q1 No. 2/76, Tehar No. (1) situated at Subhash Nagar, New Delhi, & bounded as under —

North : Government Built Property.
South : Government Built Property
East : Lane
West : Common Courtyard

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 30-11-1977.

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi-110001, the 26th November 1977

Ref. No IAC/Acq.III/SR III/May/654(II)/77-78 /

4343 —Whereas, I, A. L. SUD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 6B/10 situated at N.E.A. New Delhi-60

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 5-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Damyanti Rani Chadha
W/o Shri Maharaj Krishna Chadha
r/o 6-B/10, N.E.A.
New Delhi-110060.

(Transferor)

(2) Shri Shekhar Chand Jain
S/o Shri Kapoor Chand Jain
(2) Smt. Shakuntla Devi Jain
W/o Sh. Shekhar Chand Jain,
(3) Sh. Anil Kumar Jain
S/o Sh. Shankhar Chand Jain
(4) Sh. Arun Kumar Jain
S/o Sh. Shekhar Chand Jain
all r/o 4423, Gali Ahiran Pahari Dhiraj
New Delhi-110006

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A 2½ storied building constructed on a plot of land measuring 737.44 sq. yds bearing plot No 10-B, Block No 6 situated in Northern Extension Area, New Delhi & bounded as under :—

North : Road
East : Road
South : Road
West : Bunglow No. 6B/9

A. L. SUD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 26-11-1977
Seal

FORM ITNS—

(1) S/Shri Dharam Singh son of Harnam Singh
R/o, 2/1, Guru Road, Dehra Dun

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) S/Shri S Teja Singh S/o S Labh Singh
R/o Majra, Serving as Manager
Punjab Sindh Bank Majra, Teh & Distt. Dehra Dun
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPURObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 28th November 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.Ref. No 503-A/Acq/D Dun/77-78/5291.—Whereas I, R P
BHARGAVAbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.As per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Dehra Dun on 21-4-1977for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of —EXPLANATION The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter(a) facilitating the reduction or evasion of liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of portion of 2/1 Guru
Road, Dehra Dun, Transferred for an apparent consideration
of Rs. 45,000/-(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the trans-
feree for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)R P BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, KanpurNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—Date 28th November 1977
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th November 1977

Ref. No. Acq/562-A/M.Nagar/77-78/5295 —Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 19-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
13—376GI/77

(1) S/Shri Tejraj Singh Goyal S/o Anoop Singh and Shantanu Goyal S/o Tejraj Singh Goyal,
R/o KH-977 New Kavi Nagar, Ghaziabad

(Transferor)

(2) S/Shri Raj Kumar S/o Gopi Chand and Rajeev Kumar S/o Prem Kumar, R/o 183, Civil Lines,
Bhopa Road, Muzaffarnagar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of half portion of House bearing No. 53, situated at Dwarikapuri, Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 40,750/-

R. P. BHARGAVA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur

Date : 28th November 1977

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th November 1977

Ref No Acq/686-A/M. Nagar/77-78/5293.—Whereas I, R P BHARGAVA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No as per Schedule situated as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Mawana on 28-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Yatender Rao S/o Randhir Singh,
Vill Rajapur Kalan, Jansath,
Present address Mai Mandi, Muzaffarnagar
(Transferor)
- (2) S/Shri Mahendra Singh S/o Nain Singh and
Rampal Singh S/o Ram Singh and Onkar Singh
S/o Nain Singh, R/o Vill Batawali,
P O Bahsuma, Distt Meerut.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 6 Bigha 11 Biswa and 15 Biswanai, situated at Vill. Batauli, Teh Mawana, Hastinapur, Distt Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs 40,000/-

R. P BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28th November 1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Vijay K Bansal,
3, Inder Road, Dehra Dun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) S/Shri Pradeep Kumar Sharda and Sandeep Kumar
Sharda through Smt. Snehlata Sharda, 3 Inder Road
Dehra Dun.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 28th November 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No 704-A/Acq/D Dun/77-78/5296.—Whereas 1.
R. P. BHARGAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs 25,000/- and bearing
number as per Schedule situated at per Schedule
(and more fully described
in the schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Dehra Dun on April, 1977
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of part of House property
No 3, Inder Road, Dehra Dun, transferred for an apparent
consideration of Rs. 18,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

Date : 28th November 1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th November 1977

Ref. No. Acq/672-A/Saharanpur/77-78/5289—Whereas, I R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 20-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Raj Kumari, widow Anand Swami,
Swatantra Kutir, Jwalapur Road
P.O. Kankhal, Saharanpur

(Transferor)

(2) S/Shri S. Mahendra Singh S/o S Pyare Singh
R/o Nirmala Chawani, Haridwar, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot measuring 15000 sq. ft situated at Kankhal Haridwar Road, Haridwar, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs 24,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28th November 1977

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Kailash Nath Sinha son of late Sri Gopi Nath Sinha resident of 50, Saket, Meerut

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Sandhya Jain W/o Sh. Mohit Kumar Jain
Resident of 49-A, Saket, Meerut

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPURObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

Kanpur, the 28th November 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later,(b) by any other persons interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Acq/440-A/Meerut/77-78/5294.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 1-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/4 portion of House bearing No 49-A, Saket, Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs 60,000/-

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 28th November 1977

Seal :

FORM ITNS ———

(1) S/Shri Tejraj Singh Goyal S/o Anoop Singh
and Himansu Goyal S/o Tejraj Singh Goyal
R/o KH-97, New Kavi Nagar, Ghaziabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shri Surendra Kumar and Dharam Pal, both
S/o Prem Kumar, R/o 183, Civil Lines,
Bhopa Road, Muzaffarnagar
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th November 1977

Ref. No. Acq. 561-A/G. Bad/77-78/5290—Whereas, I,
R P BHARGAVA,

being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearing
number as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Muzaffarnagar on 18-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned,—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1 portion of House No
53, situated at Dwartkapuri, Distt Muzaffarnagar, transferred
for an apparent consideration of Rs 40,750/-.

R P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely,—

Date 28th November 1977

Seal .

FORM ITNS

(1) Shri Dharam Singh S/o Harnam Singh,
R/o 2/1, Gurn Road, Dehra Dun

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Trilok Chand Garg S/o Mitthan Lal Garg,
R/o 2/1, Gurn Road, Dehra Dun

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPURObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 28th November 1977

Ref No. Acq/504-A/D Dun/77-78/5235 —Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehra Dun on 22-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of portion of House No. 2/1, Gurn Road, Dehra Dun, transferred for an apparent consideration of Rs 45,650/-

R. P. BHARGAVA

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 28-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th November 1977

Ref No Acq/715-A/Meerut/77-78/5303 —Whereas, I,
R P BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 26-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely,—

(1) Shri Ajit Prasad Jain son of J P Jain
R/o Kishan Flour Mills, Railway Road,
Meerut City

(Transferor)

(2) Shri Ajay Kumar Jain son of Sukumar Chand Jain
R/o Kishan Flour Mills, Railway Road,
Meerut City

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot of land measuring 600 sq yd, bearing plot No 124/ situated in Kishan Flour Mills Compound, Railway Road, Meerut City, transferred for an apparent consideration of Rs. 22,200/-.

R. P. BHARGAVA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 30-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Gunmala Jain W/o Ajit Prasad Jain
R/o Kishan Flour Mills, Railway Road,
Meerut City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ajay Kumar Jain S/o Sukumar Chand Jain
R/o Kishan Flour Mills, Railway Road,
Meerut City

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th November 1977

Ref. No. Acq/714-A/Meerut/77-78/5302—Whereas, I,
R P BHARGAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Meerut on 26-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :-
14—376GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later .

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot of land measuring
565 s.y.d bearing plot No. 124/ situated in Kishan Flour Mills
Compound, Railway Road, Meerut City, transferred for an
apparent consideration of Rs. 20,905/-.

R. P. BHARGAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date . 30-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sanjay Kumar Jain S/o Ajit Pd. Jain
R/o Kishan Flour Mills, Railway Road,
Meerut City

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Ajay Kumar Jain S/o Sukumar Chand Jain
R/o Kishan Flour Mills, Railway Road,
Meerut City.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 30th November 1977

Ref No. Acq/716-A/Meerut/77-78/5301—Whereas J.
R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 27-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot of land measuring 600 s.y.d bearing plot No. 124 situated in Kishan Flour Mills Compound, Railway Road, Meerut City, transferred for an apparent consideration of Rs 22,200/-

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 30th November 1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th November 1977

Ref No. Acq. F No 518.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No 122 situated at Vadali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Penugonda on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Kancherla Vasavamba, W/o Sri Srinath Kancherlavari Street, Palakol, West Godavari Dist (Transferor)

(2) Shrimati Machepalli Venkata Vijaya Laxmi, W/o Sri Ravindra Babu, Man Road, Palakol, West Godavari Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 544/77 registered before the Sub-registrar, Penugonda during the fortnight ended on 30-4-1977.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range (I/C), Kakinada.

Date : 28-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th November 1977

Ref. No Acq. F. No 517 —Whereas I, B V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS Nos. 226/1, 226/2, 224/6, & 227/1A situated at Varahapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaikalur on 14-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Veerapaneni Kodandaramaiah, Verahapatnam (PO), Kaikalur Taluk, Krishna Dist.

(Transferor)

(2) Shri C. V. V. Satyanarayana Murty, C/o The National Engineering Co. (M) (P) Ltd., 272/273 Angappa Naick St., Madras-600001

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 1554/77 registered before the Sub-registrar, Kaikalur during the fortnight ended on 15-4-1977.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (I/C), Kakinada.

Date : 28-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th November 1977

Ref No Acq F. No. 515.—Whereas I, B V Subba Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 31-3-2 situated at Maruthinagar, Madhavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 14-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pendyala Venkatesammamma, W/o Sitharamaiah, Maruthinagar, Vijayawada

(Transferor)

- (2) Kum Koka Tripuramba, D/o K Hari Prakash Rao, Regd Medical Practitioner, Jagadamvalli Street, Suryapaopeta, Vijayawada

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 641/77 registered before the Sub-registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-4-1977.

B. V SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range (I/C), Kakinada.

date 28-11-1977
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th November 1977

Ref No Acq. F. No 514.—Whereas I, B. V. Subba Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 2-122 situated at Pithapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on FN 15-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Partners of M/s Muppana Chinna Veerabhadrarao & Sons.

1. M. China Veerabhadra Rao,
2. M. Somaraju,
3. M. Veeraju,
4. M. Veerabhadra Satish Kumar, Minor by guardian father M. Somaraju, Peddapuram

(Transferor)

- (2) Partners of M/s. Chekka Venkata Subramanyam & Others.

1. Ch. Butchiraju,
2. Ch. Venkata Subrahmanyam,
3. Ch. Veera Venkata Satya Krishna Sobhanadhirao,
4. Ch. Chakradhararao and
5. Ch. Ramakrishna Prasad, Pithapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 1098/77 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 15-4-1977 including furniture and machinery.

B V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range (I/C), Kakinada

Date : 28-11-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Veerapaneni Konandaramaiah, Varahapatnam
(P.O.), Kaikalur Taluk, Krishna Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri C V V. Satyanarayana Murty, C/o. The Na-
tional Engineering Co. (M) (P) Ltd., 272/273
Angappa Naick St., Madras-600001

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th November 1977

Ref No. Acq F No 516.—Whereas, I, B V Subba Rao,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act) have reason to
believe that the immovable property having a fair market
value exceeding Rs 25,000/- and bearing
RS No. 222/K, 222/2, 222/3, 225/3 & 227/1A situated at
Varahapatnam, Kakialur Tq.

(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Kaikalur on 13-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No.
1546/77 registered before the Sub-registrar, Kaikalur during
the fortnight ended on 15-4-1977

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range (I/C), Kakinada

Date : 28-11-1977,
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th November 1977

Ref. Acq F. No 519 —Whereas, I, B V SUBBHA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kakinada

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No 106, 108 & 122 situated at Ramannapalem & Vadali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Penugonda on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Kancharla Vasavamba, W/o Sri Srinath, Kancharlavari Street, Palakol, West Godavari Dist (Transferor)

(2) Shrimati Chitturi Ratna Manikyam, W/o Bala Siva Subrahmanyam C/o M/s Circars Laxmi Mill Co, Mattavari Street (Convent Street), Vijayawada-I. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 543/77 registered before the Sub-Registrar, Penugonda during the fortnight ended on 30-4-1977.

B. V. SUBBHA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, (I/C), Kakinada.

Date : 28-11-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mithulal Raka
R/o 4/7, Raj Mohalla North, Indore

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt Sarla Devi Jain C/o M/s Pannalal Veniramji
Choudhary, 211 M. G Road, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 21st November 1977

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/77-78/898.—Whereas, I, R. K. Bali being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13, Joy Builder's Colony, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 21-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 13 situated at Joy Builders Colony, Indore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. K. BALI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
15—376 GI/77

Dated : 21-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st November 1977

Ref No IAC/Acq/Bpl/77-78/899 —Whereas, I, R K. Bali, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2 storied house situated at Bajaj Khana, Ratlam (Area 9-84 Meter X 24-40 Meters) part situated at Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 24-4-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) 1 Shri Hiralal S/o Shri Kedar Shanker,
2 Shri Narpeth S/o Shri Daulal
3 Shri Pritamlal S/o Shri Dirajlal,
4 Shri Swamjee Parmanandjee Sarwat
5 Shri Nand Kishore S/o Kishanlal,
6 Ambhalal S/o Shri Nathulal
7 Shri Govindlal S/o Shri Hatlal,
8 Shri Ishwarlal S/o Shri Kannulal,
9 Shri Himatlal S/o Shri Marakhlal
10 Shri Latizkishore S/o Shri Kishanlal
11 Shri Navneetlal S/o Shri Nanulajee cast Nagar
Brahaman call the r/o Banswara Rajathan

(Transferor)

- (2) The Cloth Merchant Association Bajajkhana, Ratlam through its president —

- 1 Shri Fakurchand S/o Shri Rakhabchand
2 Shri Nihalchand S/o Jarhanchand
3 Shri Samrathmal S/o Shri Keshrimal
4 Shri Laxminarain S/o Shri Vijay Singh
5 Shri Suranmal S/o Shri Chandmal Charodia,
All r/o Bajajkhana, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

23 Storied house situated at Bajaj Khana, Ratlam (Area 9-84 meter X 24-40 meters)

R K BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Dated 21-11-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st November 1977

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/77/900—Whereas, I, R. K. Bali, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No 157, Double Storied Situated at Ravindra Nath Tagore Marg, Indore situated at Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 5-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Retd. Major Shridhar Gopal Rao Khot R/o 24 Yeshwant Colony, in front of Yeshwant Club, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kamal Kumar S/o Dipchandji Oswal, C/o M/s. Kamalbhusan Bhandar, Ganj Basoda, Vidisha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 157, Double Storied situated at Ravindra Nath Tagore Marg, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 21-11-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st November 1977

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/77-78/901.—Whereas, I R. K. Bali being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open plot bearing No. 7-A at Srinagar Extension, Annexy Colony, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 2-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Smt. Raj Kour W/o Shri Sunder Singhjee Sikh r/o Mandi Road, Dewas.

(Transferor)

(2) Shri Girdharilal Agarwal S/o Shri Babulaljee Agarwal r/o 11 Sita building, Yashwant Niwas road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot bearing No. 7-A at Srinagar Extension, Annexy Colony, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 21-11-1977

Seal .

FORM ITNS

(1) M/s. Alpa Aay Samuday Grah Nirman Sahkari
Sanstha Maryadit 3/1, Lodhi Mohalla, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Dak Karmachari Grah Nirman Sahkari
Sanstha Ltd., 1 Vallabh Nagar, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st November 1977

Ref No IAC/Acq/Bpl/77-78/902—Whereas, I, R. K. Bali being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. (1) Plot Nos. 62 to 68, 70 to 73, 76 to 79 & 99 to 114 and Plot Nos 69, 74, 75 & 80 situated at Sector No II Vaishali Nagar, situated at Indore Annapurna Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 16-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 62 to 68, 70 to 73, 76 to 79 & 99 to 114 and Plot Nos. 69, 74, 75 & 80 situated at Sector No. II Vaishali Nagar, Annapurna Road, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Dated 21-11-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Manav Kalyan Grah Nirman Sahkari Sanstha Ltd., 195, Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Dak Karmachari Grah Nirman Sahkari Sanstha, Ltd., 1, Vallabh Nagar, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st November 1977

Ref. No IAC/Acq/Bpl/77-78/903.—Whereas, I, R. K. Bali, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 - and bearing

Plot No. 15 to 30, 32 to 40, 42 to 46, 48 to 56, 58 to 61, 82 to 85, 88 to 91, 93 to 98, 115 to 136 and plot Nos. 31, 41, 47, 57, 81, 87 and 92 all situated at Vaishali Nagar, Annapurna Road, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 16-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 15 to 30, 32 to 40, 42 to 46, 48 to 56, 58 to 61, 82 to 85, 88 to 91, 93 to 98, 115 to 136 and plot Nos. 31, 41, 47, 57, 81, 87, and 92 all situated at Vaishali Nagar, Annapurna Road, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 21-11-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 1st December 1977

Ref. No IAC/ACQ/BPL/77-78/904 —Whereas, I. R. K. BALI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and being No. Agricultural land Survey No. 185 & 187/2, Total area 20 413 Hctrs. with well & Pump, at Gram-Bicholi Mardana, Tah-Indore, (M.P.) situated at Bicholi Mardana, Indore (M.P.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Moti Chand Shah S/o Shri Goras Bhai Shah, Through Power of Attorney Shri Anil Kumar Panchand Shah, R/o 3, Yeshwant Colony, Yeshwant Newas Road, Indore.

(Transferor)

- (2) 1 Shri Ghansiram S/o Shri Brijlal
2 Shri Damodar.
3. Shri Mukut Lal.
4. Shri Murarilal all sons of Shri Brijlal.
5. Shri Mangi Lal S/o Narainji.
6 Shri Ram
7. Shri Ram Prasad Both sons of Narainji, All R/o 96, Bhamari Dube Vallabh Nagar, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural and Survey No 185 & 187/2, Total Area-20 413 Hctrs with well & Pump, at Gram-Bicholi Mardana, Tah Indore, (M.P.).

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date . 1st December, 1977.

Seal .

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 1st December 1977

Ref. No IAC/ACQ/BPL/77-78/905.—Whereas, I R. K. BALI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing,

No Agricultural land, Survey No. 187/2, & 194, total area—12 201 hectrs with well & Motor Pump, Gram-Bicholi Mardana, Indore (M.P.) situated at Indore (M.P.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 14-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Smt Santokh Ben W/o Shri Panachand
 2. Shri Mahesh Kumari.
 3. Ku. Radhika through Power of Attorney of Shri Anil Kumar S/o Shri Panachand R/o 3, Yeshwant Colony, Yeshwant Niwas Road, Indore (M.P.)

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ghansiram
 2. Shri Damodar.
 3. Shri Mukutlal
 4. Shri Murarilal All sons of Shri Bijlal.
 5. Shri Mangilal.
 6. Shri Shri Ram
 7. Shri Ram Prasad All sons of Shri Narainji, All R/o 96, Bhamori Dube, Vallabh Nagar, Indore (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land, Survey No 187/2, & 194, total area—12 201 hectrs with well & Motor Pump, Gram-Bicholi Mardana, Indore (M.P.)

R. K. BALI,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal.

Date . 1st December, 1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ibrahim Bhai S/o Shri Moosaji Bohra, R/o Sadan Bazar, Bilaspur (M.P.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hakimuddin S/o Shri Daud Bhai Bohra, R/o Khapar Ganj Bilaspur (M.P.)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) M/s. Saurashtra Rice & Oil Mill,
Bilaspur (M.P.)

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPALObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 1st December 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.Ref. No IAC/ACQ/BPL/77-78/906 —Whereas, I R K
BAIIbeing the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-
inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs 25,000/- and bearing No.Plot No 7, Sheet No 35 at Bilaspur situated at Bilaspur
(M.P.)(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Bilaspur on 14-4-1977for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—EXPLANATION —The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same mean-
ing as given in that Chapter(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No 7 Sheet No 35, at Bilaspur (M.P.)

R K BAII

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range BhopalNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

16—376GI/77

Date 1st December, 1977

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 1st December 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/907—Whereas, I R. K. BALI

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Godown at Mohalla Mang Ganj, No. 3, H.B. 356, H. No. 59, Area 100' x 30', At Damoh (M.P.) situated at Damoh (M.P.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Damoh on 11-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri Nandlal S/o Shri Khemchand Jain, R/o Maaganj No. 2, Damoh (M.P.).

(Transferor)

(2) 1 Shri Praveen Kumar S/o Shri Premchand Patel Asaafi Waid No 2, Damoh (M.P.)

2. Shri Avtar Singh S/o Shri Govindram.

3 Shri Rajendra Singh S/o Shri Kesharchand S/o Shri Mathuradas Khanduja, Damoh (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Godown at Mohalla Mang Ganj No. 3, H.B. 59, Area 100' x 30', At Damoh (M.P.)

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, BhopalDated 1st December, 1977.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th November 1977

Ref. No AP-1729.—Whereas, I, B S. DEHIYA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri Chuni Lal Masand
S/o Shri W. C. Masand,
3-Model Town Jullundur

(Transferor)

(2) Shrimati Harinder Kaur,
44-Model Town, Jullundur

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registration Sale Deed No.
562 of May, 1977 of the Registering Authority, Jullundur

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date 30-11-77.

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th November 1977

Ref. No. AP-1730—Whereas, I, B S DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to relieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Vijay Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhawan Dutt Sehgal
S/o Shri Tuls Ram Sehgal
C/o Nakodar Industries,
Maksoodan, Teh. & Distt Jullundur (Transferor)
- (2) Shri Sat Pal
S/o Shri Kashori Lal
76-77, Vijay Nagar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S No 2 above
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registration Sale Deed No 1380 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur

B S DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date 30-11-77
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 30th November 1977

Ref No AP-1731—Whereas, I B S DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Shiv Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Chattai Singh
S/o Shri Lakhon Singh Advocate,
385-Lajpat Nagar Jullundur
(Transferor)
- (2) Shri Amarjit Singh
S/o Sh. Prem Singh
H No 32, Shiv Nagar, Jullundur
(Transferee)
- (3) As per S. No 2 above
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registration Sale Deed No 1355 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur

B S DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 30-11-77

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 30th November 1977

Ref No AP-173 —Whereas I B S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of Section 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing No As per Schedule situated at Basti Sheikh Road, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Shrimati Vidya Wanti
Wd/o Shri Kundan Lal
S/o Shri Ganga Ram,
Basti Sheikh Road, Jullundur (Transferor)
- (2) Shri Sushul Kumar
S/o Shri Ram Chand
S/o Shri Thakur Dass
C/o Band Boy Dry Cleaners
Plot No 239-Basti Sheikh Road, Jullundur. (Transferees)
- (3) As per S No 2 above
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Portion of House as mentioned in the Registration Sale Deed No 367 of April, 1977 of the Registering Authority Jullundur

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date . 30-11-77
Seal

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th November 1977

Ref No AP-1733—Whereas, J. B S DEHIYA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Brij Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Waryam Singh
S/o Shri Sant Ram,
R/o Mohalla Gaji Gulla, Jullundur
(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chand
S/o Shri Subh Karan,
H No G 24, Mohalla Brij Nagar, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property
[Person whom the undersigned knows to be
interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registration Sale Deed No. 255 of April, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B S DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 30-11-77.
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Parmal Chandra Dev

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Durga Prasad Rath

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK
BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 29th November 1977

Ref No 57/77-78/IAC(A/R)BBSR.—Whereas, I,
A N MISRA
being the competent authority under section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property having a
fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No
Plot No 576 & 577 situated at Anugul
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Anugul on 2-3-1977
for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to be-
lieve that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer, and/
or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein
is are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with structures there on situated at Mouza-
Anugul Dist Dhenkanal under the jurisdiction of Sub-
Registrar, Anugul and registered by sale document No 1094
dated 2-3-1977

A N MISRA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bhubaneswar

Date 29-11-1977

Sent :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Nanda Kishore Poddar
2. Shri Krishna Gopal Poddar,
3. Shri Dinesh Chandra Poddar

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Delhi Saw Mills
A partnership Firm,
through its attorney Shri Ratanshi Bhai Patel.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned, —

ACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK
BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 2nd December 1977

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. 58/77-78/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A N. MISRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No situated at Khetrajpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sambalpur on 14-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —
17—376GI/77

THE SCHEDULE

Rayati lands located at Mouza-Khetrajpur, Sambalpur under the jurisdiction of Sub-Registrar, Sambalpur and registered by sale document No 446 dated 14-3-77

A. N. MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date 2-12-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACT, 1961 (43 OF 1961)
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta-16, the 28th November 1977

Ref No. Ac-23/R-II/Cal/77-78.—Whereas, I,
R V. LALMAWIA

being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 23A/552, situated at Diamond Harbour Road, Cal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Distt. Registrar, 24-Prags., Alipore on 22-4-1977 Registering Officer at

for an apparent consideration
which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Labh Singh,
2. Shri Sapuran Singh alias Saburan Singh
3. Smt. Bhajan Kaur,
4. Shri Simer Singh
5. Smt Mukteer Kaur and
6. Smt. Balbir Kaur
all of 25, Paddapukur Road,
Calcutta-20

(Transferor)

- (2) 1. Shri Aloke Nath Mukherjee
2. Smt. Uma Sundari Debi
3. Shri Sanjiv Mukherjee
all of 41, Biplabi Anukul Chandra Street,
Calcutta-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

2½ cottahs of land in Plot 552, Block-N, New Alipore, being premises No. 23A/552, Diamond Harbour Road, P.S Alipore, Distt 24-Parganas.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date 28-11-1977

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta-16, the 28th November 1977

Ref. No. Ac-/R-II/Cal/77-78.—Whereas 1.
R. V. LALMAWIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 231A552, situated at Diamond Harbour Road, Cal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore Sadar 22-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Labh Singh,
2. Shri Sapuran Singh alias Saburan Singh
3. Smt. Bhajan Kaur,
4. Shri Simer Singh
5. Smt. Mukteer Kaur and
6. Smt. Balbir Kaur
all of 25, Paddapukur Road,
Calcutta-20.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Alope Nath Mukherjee
2. Smt. Uma Sundari Debi
3. Shri Sanjay Mukherjee
all of 41, Biplabi Anukul Chandra Street,
Calcutta-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

25-cottahs of land in Plot 552, Block-N, New Alipore, being premises No. 23A/552, Diamond Harbour Road, P.S. Alipore, Dist. 24-Parganas

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date 28-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta-16, the 28th November 1977

Ref No. Ac-24/R-II/Cal/77-78.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No 23A/552, situated at Diamond Harbour Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Distt. Registrar, 24-Prgs., Alipore on 25-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) 1 Shri Labh Singh,
2 Shri Sapuran Singh alias Saburan Singh
3 Smt. Bhajan Kaur
4 Shri Simer Singh
5 Smt Mukteer Kaur and
6 Smt Balbir Kaur
all of 25, Paddapukur Road,
Calcutta-20

(Transferor)

- (2) 1. Shri Alope Nath Mukherjee
2 Smt Uma Sundari Debi
3 Shri Sanjiv Mukherjee
all of 41, Biplabi Anukul Chandra Street,
Calcutta-12

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21-cottahs of land in Plot 552, Block-N, New Alipore, being premises No 23A/552, Diamond Harbour Road P S Alipore, Distt 24-Parganas

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date 28-11-1977

Seal

FORM ITNS—

(1) 1. Sh. Tara Chand | Ss/o Sh. Jodha Ram
2 Sh. Vas Dev | 3-G-10, N. I. T. Faridabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Bhagwan Dass, Sharan Kumar & Ram Lal
Ss/o Sh. Sadhu Ram,
H No. C-9, Nehru Ground,
N H No 1, N.I.T. Faridabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD
ROHTAK

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Rohtak, the 30th November 1977

Ref No BGR(DLI)/32/76-77—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No C-9, N H No 1 situated at Nehru Ground NIT Faridabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in March 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No C-9, measuring 400 Sq. Yds. situated at Nehru Ground, N H No. 1, N.I.T. Faridabad

(Property as mentioned in sale deed registered at No 8423 on 14-3-1977 in the office of the Registering Authority, Ballabgarh.)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD,
ROHTAK

Rohtak, the 30th November 1977

Ref. No BGR(RL1)/25/76-77—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 8, situated at NH 1, Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in March 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) 1. M/s Bharat Carbon & Ribbon Mfg. Co Ltd.,
Regd. Office, N. 73,
Cannaught Circus, New Delhi

(Transferor)

(2) 1. Sh Bachh Raj Chandania S/o
Sh Mul Chand Chandania, C/o
East Indian Cotton Co. Ltd,
N.I.T Faridabad.

2 Sh Harbans Lal Bhatania S/o
Sh. Ladda Mal Bhatania, C/o
Sodhi Transport,
Mathura Road, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 8, measuring 1200 Sq. Yds situated in N.H.I, Faridabad on Railway Road, between Bata Chowk and Cinema

"Property as mentioned in sale deed registered at No. 8695 dated 31-3-77 in the office of registering Authority, Ballabgarh"

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 30-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chhagan Lal S/o
Shri Kalu Ram,
R/o Abohar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gauri Shanker S/o
Shri Trilok Chand,
Shop No. 76, Nai Mandi, Sirsa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD
ROHTAK

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Rohtak, the 30th November 1977

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Ref. No SRS/7/77-78.—Whereas, I, RAVINDER
KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

1/2 portion in Shop No 76, Nai Mandi, Sirsa
situated at Sirsa

(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Sirsa in April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of Shop No. 76, Nai Mandi, Sirsa

(Property as mentioned in sale deed registered at Sl. No.
537 of April, 1977 of the Registering Authority, Sirsa)

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transfer for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date . 30-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD
ROHTAK

Rohtak, the 30th November 1977

Ref. No. SRS/26/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/2 portion in Shop No. 76, Nai Mandi, Sirsa situated at Sirsa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chaggan Lal S/o
Shri Kalu Ram,
R/o Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Hira Lal prop.
M/s. Chet Ram Ram Sukhdass,
Shop No. 76, Nai Mandi, Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of Shop No. 76, Nai Mandi, Sirsa

(Property as mentioned in the sale deed registered at serial No. 542 of April, 1977 of the Registering Authority Sirsa)

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Rohtak

Date 30-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD
ROHTAK

Rohtak, the 30th November 1977

Ref. No SRS/18/77-78—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 181/B-I, measuring 200 Sq. ds., Nai Mandi, Sirsa situated at Sirsa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

18—376GI/77

(1) Shri Labh Chand S/o
Shri Panjab Ram
Plot No. 180-B Block,
Nai Mandi, Sirsa.

(Transferor)

(2) Shri Ram Lal Makkar S/o
Shri Niamat Rai,
R/o Fazilka.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 181/B-I, Nai Mandi, Sirsa
(Measuring 1800 Sq. ft.)

Property as mentioned in sale deed registered at serial No. 1270 of May, 1977 of the Registering Authority Sirsa)

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 30-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 30th November 1977

Ref No CHD/23/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 495/20-A, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh Gurdial Chand Bhasin
S/o Sh. Jiwan Dass Bhasin,
R/o 1162/21-B, Chandigarh. (Transferor)
- (2) (i) Shri Ganpat Rai Sharma
S/o Shri Shankar Dass Sharma,
(ii) Smt. Mukta Sharma
W/o. Sh. Ganpat Rai,
R/o 89, Jhoke Road,
Ferozepur Cantt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storey residential building bearing No 495, Sector 20-A, Chandigarh with land area of 254.05 sq. yds.

(Property as mentioned in the sale deed registered vide serial No 168 of May, 1977 of the Registering Authority, Chandigarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 30-11-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 30th November 1977

Ref. No CHD/38/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 1218/19-B, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Chandigarh in June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Miss Punam Sangari
D/o Shri J. S. Sangari,
412/22-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) (i) Shri Tarlok Singh
(ii) Shri Amrik Singh
sons of Sh. Nanak Singh
C/o Shri Gurdial Singh,
2437/19-C, Chandigarh.

(Transferee)

(3) (i) Sh. B. S. Bindra, SDO/MES
(ii) Sh. Vasdev Chhabra, Education Deptt Haryana,
(iii) Sh. J P Gupta, Ministry of Transport
(iv) Sh. Amrit Kumar Mehta, Modella Woollen
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Double storey residential building No 1218, Sector 19-B, Chandigarh with total area of land of 275 sq yds

(Property as mentioned in the sale deed registered at serial No. 367 of June 1977, of the Registering Authority, Chandigarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 30-11-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 30th November 1977

Ref No CHD/41/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No ½ portion of H. No. 99/8-A Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Chandigarh in July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

NOW, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gurdip Kaur
W/o Maj. Genl. Mohinder Singh
305/33-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Lt Genl Sartaj Singh
S/o Capt. Faujdar Singh
R/o 80/5, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

portion of House No. 99, Sector 8-9, Chandigarh.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sl. No. 449 of July, 1977 of the Registering Authority, Chandigarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 30-11-1977.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 30th November 1977

Ref No SRS/11/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 117 Kanal 12 marlas in Village Pahorkan situated at Village Pahorkan Teh Sirsa (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirsa on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Nand Singh, Jang Singh, Madan Singh & Smt. Jai Kaur R/o Village Pahorkan, Teh. & Dist. Sirsa (Transferor)
- (2) (i) Sh Bhag Singh s/o Sh Lal Singh,
(ii) S/Sh. Sadhu Singh, Sukhwinder Singh, Gurtej Singh, sons of Sh Bhag Singh R/o Vill, Gujewala, (Muktsai), Punjab. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 117 Kanal—12 marlas situated in Vill Pahorkan, Tehsil Sirsa

(Property as mentioned in the sale deed registered vide Sl. No. 2733 of July, 1977 of the Registering Authority, Sirsa)

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 30-11-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD,
ROHTAK

Rohtak, the 30th November 1977

Ref No SRS/12/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 98 Kanals in Village Nazodla Kalan situated at Vill. Nazodla Kalan, Teh Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Darshan Singh, Lakhbir Singh
Amrik Singh sons of Sh Pritam Singh,
Vill Nazodla Kalan, Teh. Sirsa.
(Transferor)
- (2) S/Shri Surinder Paul, Bipan Kumar, Pawan Kumar,
sons of Sh Lachhu Ram,
Mandi Kalanwali, Teh. Sirsa
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 98 kanals Khasra No.

162	163
1 to 12	1/1
96-00	2-00

in Village Nazodla Kalan, Teh Sirsa.

(Property as mentioned in the sale deed registered vide serial No 2799 of July, 1977 of the Registering Authority, Sirsa)

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date 30-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Sidhana Engg Works,
NIT Faridabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s Clutch Auto (Pvt) Ltd,
NIT, Faridabad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD,
ROHTAK

Rohtak, the 3rd December 1977

Ref. No BGR(DLI)/25/76-77—Whereas, J, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Factory Plot No 112, alongwith construction situated at Sector 6, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 112 alongwith construction and measuring 1244.44 sq yds situated at Sector No 6, Faridabad.

(Property as mentioned in sale deed registration No. 8636 dated 30th March, 1977 registered in the office of registering authority Ballabgarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 3-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Vasudeva Krishnaji Naik,
H. No. 15-3-5 at Gowliguda,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Ashok B. Mulajker,
S/o Sri B. G. Mulajkar
H. No. 23-5-480 at Shahli Banda,
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd December 1977

Ref. No. RAC. No. 153/77-78.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing No
Plot No. 61 situated at Venkateswara Cooperative Housing
Society, Narayanguda, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on 15-4-1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-
lowing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land surrounded by compound wall, Plot No. 61
admeasuring about 360 Sq. Yds. bearing M. No. 3-5-167
situated at Sri Venkateswara Co-operative Housing Society
Ltd., Narayanguda, Hyderabad, registered vide Document
No 697/77 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hydera-
bad

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd December 1977

Ref. No. RAC No. 154/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 530/4 Ward 16 situated at Gandhi Nagar, Nellore-town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on 16-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt A Sulochana,
W/o Dr Arjun Singh,
R/o Old Hospital Road,
Nellore

(Transferor)

(2) Sri P K Doraswamy,
S/o Kannatar Naidu,
H. No 530/4 Ward No. 16 at Gandhi Nagar,
Nellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Door No 530/4 Ward No 16 at Gandhi Nagar Nellore, registered vide Document No. 797/77 at the Office of the Sub-Registrar Nellore.

K S VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date 2-12-1977

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6,

Madras-6, the 24th November 1977

Ref No 37/APR/77—Whereas, I, A T GOVINDAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 situated at Navabathkhana Court Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Doc No 674/77) on April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt Mahalakshmi Ammal,
Shri L K Santhamurthi,
Shri L K Kumaran,
Smt. T V Rameela,
Smt O R Chandra,
Smt. A M Ganga,
Smt L K Brinda,
Smt. L K Usha,
Nos. 13 & 14, Navabathkhana Court Street,
Madurai.
(Transferors)
- (2) M/s Bharat Textiles Traders,
rep. by partner Shri J. K. Narayanan,
No. 9/52, West Kannara Street,
Bhavani, Coimbatore district
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3,933 sq. ft. with building thereon at door No 15 (T. S. Nos. 1479, 1478, 1477 & 1472/part) Navabathkhana Court Street, Madurai.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 24-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 1st December 1977

- (1) 1 Smt. Pulvanti;
2 Shri. Ramesh C. Shah;
3 Smt. Sunita;
4 Shri. Rajesh C. Shah;
5. Shri. Kamlesh C. Shah;
6. Shri. Vimlesh C. Shah;
7 Smt. Chandrika C. Shah,
8 Shri. Trilochana C. Shah
No. 7 Cathedral Road (First Floor)
Madras-86.

(Transferor)

- (2) 1 Shri. Ravindra Kumar,
2. Smt. Usha Baid, and
3 Smt. Chandan Baid
No. 30 Haddows Road,
Madras-600 006

(Transferee)

Ref. No. 2531 77-78—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30 situated at Haddows Road, Madras-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 200/77) on 14-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3 Grounds and 926 Sq. ft. (with building) situated at No. 30 Haddows Road, Nungambakkam, Madras-6. (R.S. No. 110).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Madras-6

Date 1-12-77
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 1st December 1977

Ref No F 3852/77-78 —Whereas, I. K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 15, Rue Dumas situated at Pondicherry (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Addl JSR, Pondicherry (Doc No 489/77) on 20-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Mr. Emmanuel Adiceam
S/o Xavier Adiceam
2. Mrs Margurite Adiceam
W/o Mr Emmanuel Adiceam
No. 35 Rue Dumas, Pondicherry.

(Transferors)

- (2) Ecole Francoise d'Extreme Orient
No. 20 Rue Dumas, Pondicherry

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 7778 Sft. (with building) situated at Door No. 15, Rue Dumas, Pondicherry.

K. PONNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madras-6

Date : 1-12-77

Seal